सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

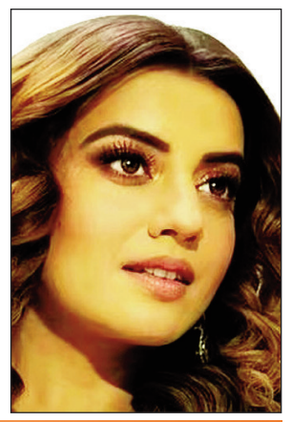

कान दर्द से बचने के घरेलू नुस्खे पेज: 7

मेरे लिए करियर का टर्निंग पॉइंट है 'वेलकम टू द जंगल पेज: 8

वर्ष : 03 | अंक : 89 | गुरुवार 02 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

महायुति का बड़ा दांव, विपक्ष ने खींचे हाथ, सचिन अहीर बने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन

महाराष्ट्र एजेंसी: सरकार की आम सहमति से चुनाव कराने की अपील के बाद विपक्ष द्वारा अपना उम्मीदवार वापस लेने पर, महायुति के उम्मीदवार सचिन अहीर बुधवार (1 जुलाई) को महाराष्ट्र विधान परिषद के उप-सभापति निर्विरोध चुने गए। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शुरू में इस पद के लिए जगन्नाथ अभ्यंकर को नॉमिनेट किया था। हालांकि, सत्ताधारी गठबंधन ने विपक्ष से अपील की कि वे डिप्टी चेयरमैन को सर्वसम्मति से चुनने की सदन की परंपरा का पालन करें। सरकार के अनुरोध के बाद, विपक्ष ने अभ्यंकर का नॉमिनेशन वापस ले लिया, जिससे महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन के तौर पर अहीर के सर्वसम्मति से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया। सचिन अहीर शिंदे सेना में शामिल हुए

ऑपरेशन टाइगर से तंग आदित्य ठाकरे के ऐलान ने किया दंग, वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ लड़ेंगे 2029 लोकसभा चुनाव

महाराष्ट्र एजेंसी: ऑपरेशन टाइगर का शिकार होने के बाद शिवसेना यूबीटी अब राजनीतिक बेचैनी के दौर से गुजर रही है। पार्टी के युवा नेता और वर्ली के विधायक आदित्य ठाकरे ने ऐसा बयान दे दिया है जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगला चुनाव फिर वर्ली से ही लड़ेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, "अगर आप कहेंगे तो मैं वाराणसी से लड़ूंगा।" इस एक वाक्य ने साफ संकेत दे दिया कि आदित्य ठाकरे भविष्य में लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से ताल ठोंकने का सपना देख रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह राजनीतिक आत्मविश्वास है या फिर अनुभवहीनता से उपजा एक बचकाना दांव? दरअसल वाराणसी कोई सामान्य लोकसभा सीट नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक गढ़ बन चुकी है। 2014 से लेकर 2024 तक के चुनावी आंकड़े बताते हैं कि मोदी ने यहां केवल चुनाव नहीं जीते बल्कि विपक्ष को मनोवैज्ञानिक तौर पर भी पराजित किया है। 2014 में मोदी ने अरविंद केजरीवाल को भारी अंतर से हराया था। 2019 में उनकी जीत का अंतर और बढ़ गया था। 2024 में भी विपक्षी गठबंधन तमाम कोशिशों के बावजूद मोदी के प्रभाव को तोड़ नहीं पाया। वाराणसी में भाजपा ने केवल संगठन नहीं खड़ा किया बल्कि वहां मोदी की छवि को विकास, हिंदुत्व और राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रतीक के रूप में स्थापित कर दिया है। गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण से लेकर काशी विश्वनाथ धाम परियोजना तक, मोदी ने वाराणसी को अपनी राजनीतिक पहचान का केंद्र बना दिया है। यही कारण है कि वहां भाजपा का चुनाव केवल पार्टी का चुनाव नहीं बल्कि मोदी बनाम बाकी सभी का चुनाव बन जाता है। ऐसे में आदित्य ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेता का वहां जाकर सीधे मोदी को चुनौती देने की बात करना राजनीतिक यथार्थ से कोसों दूर दिखाई देता है। वैसे आदित्य ठाकरे की अपनी राजनीतिक जमीन भी

2014 से लेकर 2024 तक के चुनावी आंकड़े बताते हैं

दरअसल वाराणसी कोई सामान्य लोकसभा सीट नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक गढ़ बन चुकी है। 2014 से लेकर 2024 तक के चुनावी आंकड़े बताते हैं कि मोदी ने यहां केवल चुनाव नहीं जीते बल्कि विपक्ष को मनोवैज्ञानिक तौर पर भी पराजित किया है।

उतनी मजबूत नहीं रही है जितनी उनकी बयानबाजी है। मुंबई की प्रतिष्ठित वर्ली विधानसभा सीट से वह 2019 में पहली बार विधायक बने थे। उस समय अविभाजित शिवसेना और भाजपा गठबंधन की ताकत उनके साथ थी। लेकिन 2024 के विधानसभा चुनाव में उनकी राह बेहद कठिन हो गई थी। एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद शिवसेना का पारंपरिक वोट बैंक बंट चुका था। आदित्य को जीत तो मिली, लेकिन यह जीत पहले जैसी सहज और दबदबे वाली नहीं थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने भी माना कि यदि मुंबई में ठाकरे परिवार की भावनात्मक पकड़ और पार्टी कैडर का पुराना आधार नहीं होता, तो वर्ली सीट भी हाथ से निकल सकती थी। ऐसे में जो नेता अपनी पारंपरिक सीट पर कड़ी चुनौती का सामना कर रहा हो, उसका सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके सबसे सुरक्षित गढ़ में चुनौती देने की बात करना परिपक्व राजनीति नहीं बल्कि अपरिपक्व महत्वाकांक्षा अधिक लगती है। वाराणसी में चुनाव केवल उम्मीदवार नहीं जीतता, वहां पूरा राजनीतिक वातावरण मोदी के पक्ष में खड़ा नजर आता है। भाजपा ने हर हर मोदी घर घर मोदी का नारा पहली बार वाराणसी में ही दिया था और यहां यह नारा नहीं एक राजनीतिक हकीकत है। दूसरी ओर, आदित्य ठाकरे का बयान इसलिए भी हल्का प्रतीत होता है

क्योंकि उसमें जमीन से जुड़ी राजनीतिक समझ कम और सुर्खियां बटोरने की कोशिश ज्यादा दिखाई देती है। दिलचस्प बात यह भी है कि हाल ही में उद्धव ठाकरे ने कहा था कि यदि कभी देवेंद्र फडणवीस प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनते हैं तो शिवसेना यूबीटी उनका समर्थन करेगी। हालांकि उद्धव ने साथ ही यह भी कहा कि भाजपा में ऐसा सपना देखना ही फडणवीस के लिए राजनीतिक आत्महत्या साबित होगा

नीतीश कुमार बनेंगे डिप्टी पीएम? कहां से ये चर्चा अचानक होने लगी

बिहार एजेंसी: बिहार की सियासत से इस वक्त की एक बहुत बड़ी खबर आ रही है, जिसने दिल्ली से लेकर पटना तक के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है! सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अब देश का डिप्टी पीएम यानी उप-प्रधानमंत्री बनाने की मांग उठने लगी है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरजेडी के बाद अब खुद नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के भीतर से भी सुर बुलंद होने लगे हैं। जेडीयू विधायक पंकज मिश्रा ने एबीपी न्यूज से खास बातचीत में सीधे तौर पर यह दावा ठोक दिया है कि नीतीश कुमार के पास देश का डिप्टी पीएम बनने की हर काबिलियत है और खुद बिहार की जनता भी यही चाहती है। जेडीयू का तर्क है कि जो नेता पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता संभाल रहा हो, जिसके पास केंद्र में मंत्री रहने का लंबा प्रशासनिक अनुभव हो, अब वक्त आ गया है कि देश उनके इस तजुर्बे का फायदा उठाए और उन्हें दिल्ली की राजनीति में बड़ी जिम्मेदारी दी जाए। डीयू से भी पहले आरजेडी के सीनियर लीडर मुकेश रोशन ने नीतीश कुमार को लेकर दिल्ली के सियासी गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है। आरजेडी नेता ने साफ शब्दों में मांग की है कि नीतीश कुमार को सिर्फ केंद्र की राजनीति में नहीं भेजा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें देश का उप-प्रधानमंत्री (डिप्टी पीएम) बनाया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, आरजेडी का यह प्लान सिर्फ डिप्टी पीएम की कुर्सी तक सीमित नहीं है। मुकेश रोशन ने मांग उठाई है कि नीतीश कुमार के लंबे तजुर्बे को देखते हुए उन्हें देश के कृषि और रेलवे जैसे सबसे भारी-भरकम और अहम मंत्रालय सौंपे जाने चाहिए। आरजेडी का तर्क है कि अगर बिहार का कोई नेता देश के इस शीर्ष पद पर बैठता है, तो यह पूरे प्रदेश के लिए बेहद गौरव की बात होगी। नीतीश कुमार को केंद्र में भेजने की वकालत पहले विरोधी खेमा (आरजेडी) कर रहा था, लेकिन अब जेडीयू विधायक के इस बयान ने साफ कर दिया है कि पार्टी के भीतर भी इस फॉर्मूले पर

राघव चड्ढा को हाईकोर्ट से मिली आंशिक राहत, अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट हटाने का आदेश

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को निशाना बनाने वाले कुछ अपमानजनक कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया, साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में 'पर्सनैलिटी राइट्स' (व्यक्तिगत अधिकारों) का कोई मुद्दा शामिल नहीं है। चड्ढा की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा बताए गए कंटेंट में से केवल कुछ ही अपमानजनक थे। आदेश सुनाते हुए जज ने कहा कि मैंने कुछ कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया है... बाकी कंटेंट अपमानजनक नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि इस मुकदमे में पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तित्व अधिकारों) से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है, और कोर्ट ने अपना ध्यान सिर्फ मानहानि के आरोपों तक ही सीमित रखा। यह नया आदेश चड्ढा के लिए थोड़ी राहत लेकर आया है। इससे कुछ हफ़्ते पहले, उसी जज ने चड्ढा को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। जज ने कहा था कि राजनीतिक हस्तियों की आलोचना, व्यंग्य और कार्टून पर सिर्फ.इसलिए रोक नहीं लगाई जा सकती क्योंकि वे पसंद नहीं आते। यह मामला तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पोस्ट में कथित तौर पर चड्ढा के आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की आलोचना की गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी तस्वीर और व्यक्तित्व के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाने वाली चड्ढा की याचिका पर सुनवाई करते हुए, जस्टिस प्रसाद ने कहा था कि संबंधित पोस्ट राजनीतिक क्षेत्र में लिए गए फैसलों की आलोचना से जुड़े थे।

डिप्टी सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'स्कूल चलो अभियान' के दूसरे चरण की शुरूआत की

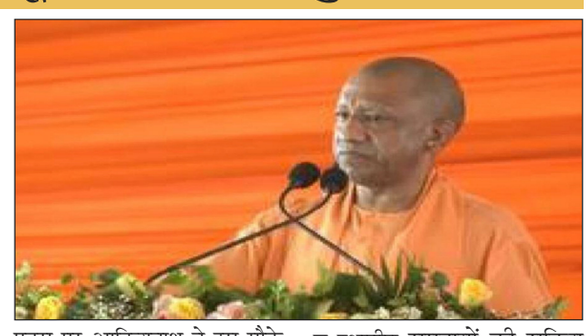

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से राज्यव्यापी 'स्कूल चलो अभियान' के दूसरे चरण की शुरूआत की। इसके साथ ही उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र में 100 प्रतिशत स्कूल नामांकन का लक्ष्य हासिल करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अभियान का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र बच्चे का स्कूल में नामांकन हो। इसमें स्कूल से बाहर रह गए बच्चों की पहचान करने और उन्हें औपचारिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस्माइलपुर गांव के सीएम मॉडल कम्पोजिट स्कूल से इस पहल की शुरूआत करते हुए, आदित्यनाथ ने नए एकेडमिक सेशन की शुरूआत करने वाले स्टूडेंट्स को किताबें, स्कूल बैग और स्टेशनरी किट बांटे। उन्होंने स्कूल एजुकेशन को बेहतर बनाने में योगदान देने वाले जिले के सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले हेडमास्टरों को सम्मानित भी किया। एक्स पर आदित्यनाथ ने इस मौके पर दिए गए अपने भाषण का एक हिस्सा शेयर किया और कहा, "नतीजे अच्छे रहे क्योंकि सरकार की नीयत साफ थी और शिक्षा को आगे बढ़ाने की पॉलिसी स्पष्ट थी। अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान के दूसरे चरण में स्कूल से बाहर रह गए बच्चों की पहचान करने, पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का दोबारा दाखिला कराने, माता-पिता को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करने और जन-प्रतिनिधियों, स्कूल प्रबंधन समितियों व स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने पर प्राथमिकता दी जाएगी। 'स्कूल चलो अभियान' का पहला चरण उत्तर प्रदेश में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलाया गया था। अधिकारियों ने कहा कि यह पहल राज्य सरकार की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद सर्वांगीण विकास के साथ-साथ शिक्षा को बढ़ावा देना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिल सके।

पीएम मोदी की ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत, 'होर्मुज जलडमरूमध्य' में आवाजाही की स्वतंत्रता पर दिया जोर

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम एशिया में चल रहे कूटनीतिक बदलावों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से फोन पर उच्च स्तरीय बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र में हाल ही में हुए घटनाक्रमों, शांति प्रयासों और आगे की राह को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पीएम मोदी ने ईरान और अमेरिका के बीच बनी हालिया सहमति का स्वागत किया। साथ ही, भारत के इस पारंपरिक रुख को फिर दोहराया कि किसी भी विवाद या मुद्दे का समाधान केवल बातचीत और कूटनीति के जरिये ही निकाला जाना चाहिए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने बनी सहमति का स्वागत किया और भारत के इस रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों को बातचीत एवं कूटनीति के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने तथा नौवहन एवं व्यापार की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लगातार प्रयास करने की आवश्यकता को दोहराया। बयान के अनुसार, फोन पर हुई बातचीत के दौरान ईरान के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रम और आगे की राह के बारे में जानकारी दी। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं के बारे में ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से बात हुई। बातचीत में हुई प्रगति का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि लगातार कोशिशों से इस इलाके में स्थायी शांति आएगी। भारत और दुनिया के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही की स्वतंत्रता के महत्व को फिर से दोहराया। इससे पहले, पेजेश्कियन ने प्रधानमंत्री मोदी को ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। खामेनेई का अंतिम संस्कार समारोह अगले सप्ताह आयोजित होने वाला है। खबरों के मुताबिक, सरकार भारत के प्रतिनिधि के तौर पर बिहार के राज्यपाल अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा को भेजने की योजना बना रही है। अंतिम संस्कार की रस्में पांच से नौ जुलाई तक होंगी। अमेरिका और ईरान ने पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने तथा क्षेत्रीय सुरक्षा एवं अन्य विवादास्पद मुद्दों पर वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर 18 जून को हस्ताक्षर किए थे।

100 करोड़ का मानहानि केस वापस लेने पर अन्नामलाई का करारा वार- 'डीएमके फाइल्स के एक-एक आरोप पर आज भी कायम हूँ'

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता के. अन्नामलाई ने मंगलवार को एक बड़ा दावा करते हुए राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। अन्नामलाई के अनुसार, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर किया 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस ले लिया है। इस घटनाक्रम के बाद अन्नामलाई ने दोटूक लहजे में कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के अपने हर एक आरोप पर आज भी पूरी तरह कायम हैं। यह कानूनी विवाद अन्नामलाई के बहुचर्चित 'डीएमके फाइल्स' कैंपेन से जुड़ा हुआ है, जिसके तहत उन्होंने सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं की कथित संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक किया था। पर एक पोस्ट में, अन्नामलाई ने कहा कि बालू ने मानहानि का केस तब दायर किया था जब उन्होंने अपने "डीएमके फाइल्स" कैंपेन के जरिए सीनियर डीएमके नेता और उनके परिवार की कथित संपत्ति और कंपनियों की जानकारी सार्वजनिक की थी। अन्नामलाई ने लिखा, "थिरु टी.आर. बालू ने 'डीएमके फाइल्स' के जरिए उनके और उनके परिवार की संपत्ति/कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए मेरे खिलाफ मानहानि का केस दायर किया था और हजार्नें के तौर पर 100 करोड़ रुपये की मांग की थी।" राज्य बीजेपी के पूर्व प्रमुख ने कहा कि सुनवाई के एक चरण के बाद, उन्होंने खुद केस लड़ा और व्यक्तिगत रूप से बालू से जिरह की। उन्होंने कहा कि कार्यवाही की जानकारी पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में थी। अन्नामलाई ने आगे आरोप लगाया कि जिरह के दौरान, बालू ने अदालत में उनके खिलाफ बिना किसी आधार के "अपमानजनक टिप्पणी" की, जिसके कारण उन्हें उन बयानों को लेकर डीएमके सांसद के खिलाफ एक अलग केस दायर करना पड़ा। उन्होंने कहा, "आज, थिरु टी.आर. बालू ने अपनी मर्जी से मेरे खिलाफ दायर मानहानि का केस वापस लेने का फैसला किया। उन्होंने मेरे खिलाफ मानहानि का केस दायर किया था; इसे आगे बढ़ाना है या नहीं, यह उनका फैसला था, मेरा नहीं।" अपनी बात दोहराते हुए, अन्नामलाई ने कहा कि वे पिछली डीएमके सरकार और सत्ताधारी पार्टी के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई "हर एक टिप्पणी" पर कायम हैं। उन्होंने सुनवाई के दौरान समर्थन के लिए वकील पॉल कनगराज, कुमारगुरु और बीजेपी की कानूनी टीम के सदस्यों का भी धन्यवाद किया और अपनी पोस्ट का समापन इस टिप्पणी के साथ किया

संपादकीय

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की ह्यगैर-कानूनीह्न हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपित करार दिया गया है। क्यों..? आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपितों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपितों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? हमें तो राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला लगता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फकीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते। उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्लवादा, वफा और विरासतह्न के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं। इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी काराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है।इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है।

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-श सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की रायभूकंप विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के छोटे झटके एक तरह से राहत का संकेत भी होते हैं क्योंकि इनसे जमीन के भीतर जमा अत्यधिक दबाव धीरे-धीरे बाहर निकलता रहता है। हालांकि, देश की घनी आबादी वाले शहर (जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता) जहां निर्माण मानकों का ठीक से पालन नहीं होता, वहां इनकी वजह से बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। दरअसल सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह सोच खतरनाक हो सकती है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी विज्ञान या इंसान सटीक नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर लावा या हलचल कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है।

आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है। साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारी रखनी होगी।

पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान

आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।

साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध जैसे बयान देने वाले पहले अपने घर की हालत देखें। वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, जनता महंगाई से त्रस्त है और सेना तथा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रही हैं।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान नीति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम भी उठाएगा। आतंकवाद को पालने वालों को अब हर क्षेत्र में जवाब मिलेगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी। बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

डीएम और एसपी ने ज्ञान भारती इंटर कॉलेज एवं शिव इंटर कॉलेज गजरौला का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने आज जनपद में 02, 03 एवं 04 जुलाई को होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) के परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने गजरौला स्थित ज्ञान भारती इंटर कॉलेज और शिव इंटर कॉलेज का विस्तृत जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने परीक्षा केंद्रों पर बनाई गई सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, स्ट्रांग रूम, कंट्रोल रूम, अभ्यर्थी प्रवेश द्वार, फ्रिस्किंग पॉइंट और मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, जनरेटर बैकअप और बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। डॉ. नितिन गौड़ ने कहा, यूपीटीईटी एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। इसे पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे पूर्णतः कार्यरत रहें और सतत निगरानी रखी जाए। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि दोनों केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और आसपास के क्षेत्र में सख्त निगरानी रखी जाएगी। अभ्यर्थियों की जांच के लिए पुरुष एवं महिला स्टाफ की अलग-अलग टीमें लगाई जाएंगी। जनपद में यूपीटीईटी के लिए कुल 12 केंद्रों पर 28440 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। गजरौला के इन दोनों केंद्रों सहित सभी केंद्रों पर परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रथम पाली सुबह 9:30 से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 2:30 से 5:00 बजे तक आयोजित होगी। जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निर्देश पुस्तिका का गहन अध्ययन करें और अपनी जिम्मेदारी पूर्ण गंभीरता से निभाएं। सीएमओ को सभी केंद्रों पर मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इस निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार, संबंधित केंद्र प्राचार्य और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला पुस्तकालय समिति की बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के निदेर्शानुसार मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को गांधी सभागार में राजकीय जिला पुस्तकालय, अमरोहा से संबंधित जिला पुस्तकालय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजकीय जिला पुस्तकालय के समग्र विकास, सुविधाओं के विस्तार तथा आमजन के बीच पुस्तकालय की उपयोगिता बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला पुस्तकालय समिति के सदस्यों ने पुस्तकालय को अधिक आकर्षक, आधुनिक एवं जनोपयोगी बनाने के उद्देश्य से अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में समिति के सदस्यों ने पुस्तकालय में पाठकों की संख्या बढ़ाने, भवन की रंगाई-पुताई एवं सौंदर्यीकरण कराने, आवश्यक सुविधाओं का विकास करने तथा अधिक से अधिक जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने पर बल दिया। साथ ही पुस्तकालय को विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों एवं आम पाठकों के लिए अधिक उपयोगी बनाने संबंधी सुझाव भी दिए गए। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने पुस्तकालय के सुदृढ़ीकरण एवं बेहतर संचालन के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। अंत में पुस्तकालय के विकास एवं जनसहभागिता बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार सहित जिला पुस्तकालय समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

टीईटी परीक्षा को लेकर अमरोहा पुलिस ने किए पुख्ता इंतजाम

केंद्रों तक साइन बोर्ड, पार्किंग और डायवर्जन प्लान लागू, पुलिस तैनात

अमरोहा (सब का सपना):- टीईटी परीक्षा को शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से कराने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष तैयारियां की हैं। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में सभी परीक्षा केंद्रों के मार्गों पर दिशा-सूचक बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि परीक्षार्थियों को केंद्र खोजने में परेशानी न हो। केंद्रों के पास निर्धारित पार्किंग स्थलों पर पार्किंग संकेतक लगाए गए हैं। जाम से बचने के लिए प्रमुख चौराहों, परीक्षा केंद्रों व संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त यातायात पुलिस बल तैनात किया गया है। यातायात डायवर्जन भी लागू किया गया है। पुलिस ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे समय से पहले केंद्र के लिए निकलें, यातायात नियमों का पालन करें और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के निर्देश मानें।

आईजीआरएस रैंकिंग में अमरोहा पुलिस अव्वल, 2026 में पांचवीं बार प्रदेश में पहला स्थान

11 थाने भी टॉप पर, एसपी ने आईजीआरएस टीम को दी बधाई

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) रैंकिंग में अमरोहा पुलिस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2026 में पांचवीं बार प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में आईजीआरएस शाखा ने गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध शिकायत निस्तारण में यह उपलब्धि दर्ज की। इसके साथ ही जिले के 11 थानों ने भी शिकायत निस्तारण में प्रदेश स्तर पर पहला स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया है। पुलिस का कहना है कि यह उपलब्धि जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रमाण है। एसपी लखन सिंह यादव ने आईजीआरएस प्रभारी उ0नि0 कुमरेश त्यागी, आरक्षी सारुल चौहान, प्रशांत चौहान और प्रदीप चौधरी को बधाई दी। उन्होंने टीम को भविष्य में भी जनसामान्य को प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं देने के निर्देश दिए।

डॉक्टर्स डे पर जेबीएफ में 32 महादानियों ने किया रक्तदान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- डॉक्टर्स डे पर जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 32 महादानियों ने रक्तदान किया। सभी को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। बता दें कि बुधवार को डॉक्टर्स डे पर मोहल्ला नाईपुरा में सादुल्लापुर रोड पर स्थित जेबीएफ के मेडिकल सेंटर पर आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ जुबिलेंट में अधिकारी एवं रोटरी क्लब भरतियाग्राम के प्रेसीडेंट अनुपम सिंह, जेबीएफ में सीएसआर से जुड़े क्लब के सेक्रेटरी विशाल गौरव एवं डा. नितिन राय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। रोटरी क्लब के प्रेसीडेंट अनुपम सिंह ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। हम अपना रक्त देकर दूसरों की जिंदगी को बचा सकते हैं। जुबिलेंट में सीए नवीन कुमार गुप्ता ने सबसे पहले रक्तदान किया। जेबीएफ में चिकित्सक डा.नितिन राय ने बताया कि कुल 32 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस मौके पर नाग सिंह, सीएसआर से जुड़े चंदन प्रसाद, नवनीत ग्रेवाल, बूंदी सिंह, डा. समीर, डा. आरती, सलेक्ट हास्पीटल मुरादाबाद से आएएम पाठक, पाहुल वर्मा आदि भी मौजूद रहे। जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि कंपनी सामाजिक सरोकारों से जुड़े तमाम कार्य कर रही है। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी उसी की एक कड़ी है।

पुलिस लाइन अमरोहा में पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं मेडिटेशन सेमिनार का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिसकर्मियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बुधवार को पुलिस लाइन में हेल्थ प्रोग्राम व मेडिटेशन सेमिनार का आयोजन किया गया। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में हुए कार्यक्रम में कानपुर से आए योगाचार्य डॉ. अनुराग त्रिपाठी व डॉ. रोली त्रिपाठी ने योग, प्राणायाम व मेडिटेशन के फायदे बताए। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, माइग्रेन, हृदय रोग व तनाव जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इनसे बचाव के लिए नियमित मॉर्निंग वॉक, योगासन, प्राणायाम, हर्बल चिकित्सा व मैग्नेट थेरेपी जरूरी है।

नियमित ध्यान तनावमुक्त व सकारात्मक जीवन के लिए प्रभावी है। पुलिसकर्मियों ने स्वास्थ्य से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। कार्यक्रम में सीओ नगर प्रदीप कुमार, प्रतिसार निरीक्षक व थानों-इकाइयों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मतदेय स्थलों के सम्भाजन को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में समय-सारिणी निर्धारित की गई है। इसके अनुसार 04 जुलाई 2026 को आपत्तियों एवं सुझावों के लिए मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसी दिन आलेख्य सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2026 को वर्तमान सांसद, विधायकगण एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों का निस्तारण किया जाएगा, जिसके उपरांत मतदेय स्थलों की सूची को अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आगे बताया कि 25, 27 एवं 28 जुलाई 2026 को सभी आवश्यक संलग्नकों सहित मतदेय स्थलों का प्रस्ताव आयोग के अनुमोदन हेतु मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा। मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र० के द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये हैं। जिसके अनुसार वर्तमान में 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदेय स्थलों का सम्भाजन कराया जाएगा। एक पोलिंग स्टेशन लोकेशन पर मतदेय स्थलों के मध्य यथासंभव उचित संख्या में मतदाता हो और कोई भी परिवार न टूटे तथा परिवार के सभी सदस्य समान अनुभाग एवं समान स्थान पर रखें जायें। अत्यधिक पुराने व जर्जर भवन वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाए। अस्थायी निर्माण वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाए ऐसे मतदेय स्थलों को चिन्हित किया जाए, जो मुख्य गाँव/बस्ती से पर्याप्त दूरी पर हैं, उन मतदेय स्थलों को वहाँ से हटाकर मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत किसी सुविधाजनक भवन में स्थापित किया जाए तथा पोलिंग स्टेशन की दूरी लगभग 02 कि०मी० से अधिक न हो।

दिव्यांगजनों और अशक्त मतदाताओं की सुविधा के लिये प्रत्येक मतदेय स्थल पर रैम्प की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

सपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाया गया अखिलेश यादव का जन्मदिन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय, बुलन्दशहर में सपा जिलाध्यक्ष मतलूब अली की अध्यक्षता तथा जिला महासचिव कृष्णपाल यादव के संचालन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मासिक बैठक का भी आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। जन्मदिन समारोह के उपलक्ष्य में जिला कार्यालय पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसके बाद पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल एवं बिस्कुट वितरित किए। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यकताओं ने वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम में हाजी अख्तर, होशियार सिंह, दिनेश गुर्जर, प्रेमवीर यादव, अमित गौतम, मुकेश यादव, दीपाशु गोस्वामी, अमित त्यागी, जयसिंह प्रजापति, रामकुमार यादव, विजय यादव, नीरज यादव, चौधरी चन्द्रपाल सिंह, अनार सिंह चौधरी, कपिल कश्यप, महेन्द्र यादव, जाकिर उर्फ बबलू, अनिल चरौरा, समिता सिंह, चौधरी शफीक, राजू अल्वी, फिरे सिंह प्रजापति, अर्जुन सिंह (पूर्व आरटीओ), राजकुमार टीटू, नईम प्रधान, नन्ने सैनी, हर्ष ठाकुर, विनोद सैनी, बाबू सिंह प्रजापति, जावेद अली चुन्नू, लवीन भाटी, विनीत राणा, यासमीन तलत उस्मानी, सोनू गुर्जर, जहीर खान, अन्नू चौधरी, राशिद प्रधान, कासिम प्रधान, यश यादव, मुख्तार अहमद, तंजीम अंसारी, शराफत अली, नवाब शाह जलाली, मोहम्मद सज्जाद, पंकज शूद, रिजवान अब्बासी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपा कार्यकताओं ने भरी हुंकार, 2027 में सरकार बनाने का लिया संकल्प

संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री का 53वां जन्मदिन बुधवार को संभल-बहजोई रोड स्थित समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खां के निजी कार्यालय पर उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने केक काटकर जन्मदिन की खुशियां मनाईं और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फिरोज खां ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकताओं को संकल्प लेना चाहिए कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए की सरकार बनाकर अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, विकास और जनता के हितों की राजनीति करती है तथा कार्यकताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। इस अवसर पर

सलीम अब्बास खां, फरहान खां, बब्बू, छूनान, नासिर, बिलाल, रामरहीस यादव, गौरव यादव, जबर सिंह, गुलाम मुस्तफा, अजमत सहित अनेक समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी ने अखिलेश यादव के स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल जीवन की कामना के साथ किया।

'स्कूल चलो अभियान' के द्वितीय चरण का शुभारंभ, 15 जुलाई तक चलेगा विशेष नामांकन अभियान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश एवं जिलाधिकारी कुमार हर्ष के मार्गदर्शन में जनपद में 'स्कूल चलो अभियान' के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 1 से 15 जुलाई 2026 तक मिशन मोड में संचालित होगा। अभियान का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में तथा 3 से 6 वर्ष के बच्चों का बालवाटिका एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने पीएम श्री संविलयन विद्यालय, तिल बेगमपुर (सिकंदराबाद) पहुंचकर अभियान का शुभारंभ किया

और अभिभावकों से अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि शिक्षक डोर-टू-डोर सर्वे कर स्कूल से बाहर बच्चों को चिन्हित करेंगे तथा कक्षा 5 व 8 उत्तीर्ण विद्यार्थियों का अगले विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित कर ड्रॉप-आउट रोका जाएगा। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी कुसुम सिंह एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

बाबा बफार्नी के दर्शन को रवाना हुआ अमरनाथ यात्रा का दसवां जत्था

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा के बीच मंगलवार शाम चंदौसी से अमरनाथ यात्रा का दसवां जत्था बाबा बफार्नी के पवित्र दर्शन के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालु चंदौसी से दिल्ली पहुंचने के बाद जम्मू-कश्मीर के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा से पहले मूंछों वाले मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का पारंपरिक रीति-रिवाज से तिलक लगाकर और आरती उतारकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा तथा भक्तिमय माहौल बन गया। यात्रा पर रवाना होने वाले श्रद्धालुओं और उनके परिजनों में उत्साह साफ दिखाई दिया। पहली बार अमरनाथ यात्रा पर जा रहीं प्रीति वार्ष्णेय ने बताया कि वह अपने पति के साथ बाबा बफार्नी के दर्शन करने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह पल उनके लिए बेहद भावुक और यादगार है तथा वह बाबा के दर्शन को लेकर काफी उत्साहित हैं। अर्पित वार्ष्णेय ने बताया कि वह पहले भी कई बार अमरनाथ यात्रा कर चुके हैं। इस बार पत्नी के साथ बाबा बफार्नी के दर्शन का अवसर मिलना उनके लिए विशेष सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि बाबा की कृपा से हर बार यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न होती है और इस बार भी वह सभी श्रद्धालुओं की मंगल यात्रा की कामना करते हैं। मधुर वार्ष्णेय ने कहा कि बाबा बफार्नी की असीम कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे और देश में सुख, शांति, समृद्धि तथा खुशहाली का वातावरण कायम रहे। वहीं तुषार ने बताया कि इस वर्ष वह अमरनाथ यात्रा में शामिल नहीं हो सके, जिसका उन्हें अफसोस है। यदि वह यात्रा पर जाते तो यह उनकी लगातार दसवीं अमरनाथ यात्रा होती। हालांकि उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि वर्ष 2026 की कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए उनका चयन हो चुका है, जिसे वह भगवान शिव का विशेष आशीर्वाद मानते हैं। रवाना होने से पहले सभी श्रद्धालुओं ने बाबा अमरनाथ से देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और विश्व कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर यश वार्ष्णेय, मधुर वार्ष्णेय, अर्पित वार्ष्णेय, पिंकी वार्ष्णेय, विवेक चौधरी सहित बड़ी संख्या में शिव भक्त और उनके परिवारजन उपस्थित रहे। सभी ने यात्रियों का फूल-मालाओं, तिलक और आरती के साथ अभिनंदन करते हुए उनकी सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना की।

झमाझम बारिश से बदला मौसम का मिजाज, भीषण गर्मी से लोगों को मिली राहत

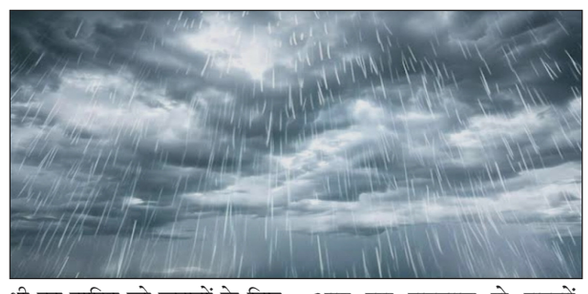

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में बुधवार दोपहर तक हुई बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बारिश के बाद बड़ी राहत मिली। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने वातावरण को सुहावना बना दिया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर तक रुक-रुककर हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली, लेकिन इसके बावजूद लोगों के चेहरों पर गर्मी से राहत मिलने की खुशी साफ दिखाई दी। किसानों ने भी इस बारिश को फसलों के लिए लाभदायक बताया। उनका कहना है कि धान, मक्का सहित खरीफ की अन्य फसलों के लिए यह वर्षा काफी उपयोगी साबित होगी। वहीं बारिश के चलते बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ रही और लोग मौसम का आनंद लेते नजर आए। मौसम में आए इस बदलाव से बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को तेज धूप और उमस से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी बादलों की आवाजाही और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है, जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है।

अखिलेश यादव का नेतृत्व ही उत्तर प्रदेश के बेहतर भविष्य की गारंटी है:- बिमलेश कुमारी

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री का 53वां जन्मदिन बुधवार को चंदौसी विधानसभा क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। समाजवादी पार्टी की नेत्री एवं चंदौसी विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी एडवोकेट विमलेश कुमारी के नेतृत्व में उनके आवास पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुई, जिसमें सभी ने अखिलेश यादव के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की। इसके बाद केक काटकर जन्मदिन मनाया गया और कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समाजवादी पार्टी के समर्थन में नारे भी लगाए गए। सभा को संबोधित करते हुए विमलेश कुमारी ने कहा कि अखिलेश यादव का नेतृत्व प्रदेश के बेहतर भविष्य की गारंटी है। उन्होंने कहा कि अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में उन्होंने विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, एक्सप्रेस-वे और रोजगार जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने कार्यकताओं से समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की राजनीति में विश्वास रखती है तथा गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, महिलाओं, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के हितों के लिए लगातार संघर्ष करती रही है।

कार्यक्रम के अंत में पीडीए पौधारोपण अभियान के तहत पौधे लगाए गए। विमलेश कुमारी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भी समाज के प्रति प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर तरुण वार्ष्णेय, ओम प्रकाश प्रजापति, मनीष कुमार, वीरपाल यादव, अरुण कुमार, प्रयांक दीक्षित, अजय कश्यप, रामबाबू यादव, अमित मौर्य, डॉ. जितेंद्र जाटव, शिवा मौर्य, जफीर खान, मुजम्मिल खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में 42 मामलों की सुनवाई, पांच दंपतियों में हुआ सुलह-समझौता

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज रावत एवं क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के पर्यवेक्षण में गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चन्दौसी में पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में किया गया। इस दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवादों की सुनवाई कर काउंसलरों की मदद से दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कराया गया और आपसी सहमति से विवादों का समाधान कराने का प्रयास किया गया। बैठक में कुल 42 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। इनमें से पांच मामलों का सफलतापूर्वक सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण कराया गया, जबकि पांच पत्रावलियां आवेदकों द्वारा आगे कार्रवाई में रुचि न लेने एवं अन्य कारणों से बंद कर दी गईं।

शेष मामलों में दोनों पक्षों को आवश्यक परामर्श देते हुए अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित की गई। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, मुख्य आरक्षी मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पारिवारिक विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर रिश्तों को टूटने से बचाना है।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ, डीएम ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ किया गया। कलक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने प्रचार वाहन एवं जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि आमजन की सहभागिता भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपने घरों और आसपास स्वच्छता बनाए रखने, जलभराव न होने देने तथा मच्छरों के पनपने से रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन कर डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य संचारी रोगों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए तथा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं।

जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। इसके अलावा दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा, जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी तथा संभावित रोगियों की पहचान कर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी।

इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) संजीव राठौर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सपाईयों ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन, पौधारोपण कर लिया पीडीए को मजबूत करने का संकल्प

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री का जन्मदिन बुधवार को जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने अखिलेश यादव के चित्र के समक्ष केक काटा, पौधारोपण किया तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं ने प्रदूषण मुक्त भारत और पीडीए (प्रेम, दया, अपनापन) को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 7 जुलाई तक जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता बूथ स्तर तक अभियान चलाकर शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सरकार की नीतियों से प्रभावित लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास को नई दिशा मिली। उनके कार्यकाल में एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, 102-108 एम्बुलेंस सेवा, लैपटॉप वितरण और कन्या विद्याधन जैसी योजनाओं ने प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अखिलेश यादव सामाजिक न्याय, किसानों, युवाओं, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की आवाज बुलंद कर रहे हैं। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी देश की तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को लगातार मजबूत कर रहा है। इस अवसर पर राजेश कुमारी यादव, रेनू कुमारी, ममता मधुकर, कमल शर्मा, शोभित कुमार, सद्दाम कुरेशी, चेतन गुप्ता, सुभाष पाल, मलखान सिंह, धर्मवीर सिंह यादव, रिंकू चौहान, निसार अहमद, उमेश दिवाकर, हरवीर सिंह यादव, मुकेश यादव, अशोक राणा, लाल बहादुर यादव, सुमित यादव, आसिफ, डॉ. हो राम सिंह, खुशीराम यादव, पप्पू शर्मा, अशोक गुप्ता, अन्ना सभासद, राजीव रस्तोगी, जावेद कुरैशी, साबिर खान, बिलाल, लव कुमार यादव, रवि शंखधार, प्रतीक, मनीष यादव, नाथू यादव, शेखर शर्मा, कामरेड रेवाराम, विजय यादव, पप्पू यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने बिछड़े 10 वर्षीय बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

संभल(सब का सपना):- जनपद पुलिस के ऑपरेशन स्माइल अभियान के तहत रायसत्ती थाना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए परिवार से बिछड़े 10 वर्षीय बालक को सकुशल उसके परिजनों से मिलवा दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई और लोगों ने पुलिस की कार्यशैली की सराहना की। बुधवार को थाना रायसत्ती पुलिस को मुरादाबाद रोड स्थित डॉ. बदरूल हसन अस्पताल, डॉक्टर्स कॉलोनी के पास एक लगभग 10 वर्षीय बालक लावारिस अवस्था में मिला। पूछताछ में बालक ने अपना नाम साबिर पुत्र राबिर निवासी ग्राम मुडिंया, थाना मूंढापांडे, जनपद मुरादाबाद बताया। सूचना मिलते ही थाना रायसत्ती पुलिस ने तत्काल टीमों का गठन कर बालक के परिजनों की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने परिजनों की जानकारी जुटाकर उनसे संपर्क स्थापित किया। इसके बाद नियमानुसार बालक को उसके फूफा मोहम्मद शकील पुत्र शौकत निवासी इकबाल नगर शहीदाबाद, थाना डिडौली, जनपद अमरोहा तथा अन्य परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी असमोली अमन सिंह के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी रायसत्ती के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की। पुलिस ने बताया कि जनपद में गुमशुदा, बिछड़े और खोए हुए बच्चों एवं बालिकाओं की बरामदगी के लिए ऑपरेशन स्माइल अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसके तहत ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस लाइन अमरोहा में पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं मेडिटेशन सेमिनार का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- वन महोत्सव के प्रथम दिवस पर बुधवार को संभल वन प्रभाग की चंदौसी रेंज द्वारा मंडी समिति परिसर, बहजोई में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में बहजोई नगर पालिका चेयरमैन राजेश शंकर, मंडी समिति सचिव, ग्राम प्रधान, आढ़त व्यापारी तथा क्षेत्र के लोगों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वन विभाग की ओर से क्षेत्रीय वनाधिकारी प्रभात कुमार, वन दरोगा नीरज कुमार एवं अन्य वनकर्मी उपस्थित रहे और सभी को पौधारोपण के महत्व से अवगत कराया। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बहजोई के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. धर्मपाल ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों एवं आगंतुकों को कलमी आम के पौधे भेंट किए गए, ताकि वे अपने घरों और आसपास हरियाली बढ़ाने में योगदान दे सकें। साथ ही आम भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी ने सहभागिता की।वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे केवल पौधे लगाने तक ही सीमित न रहें, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण मिल सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को मजबूत किया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने हेतु स्थानीय निकायों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह की अध्यक्षता में स्थानीय निकायों के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, क्षमता निर्माण, ओडीएफ, ओडीएफ प्लस, ओडीएफ प्लस-प्लस, वाटर प्लस, पीटीएस/सीटीएस, आकांक्षी शौचालय, यंत्रीकृत कीचड़ निष्कासन, व्यवहार परिवर्तन तथा आईईसी गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पंचायती राज एवं नगर निकायों द्वारा जैविक एवं अजैविक कचरे के पृथक्करण एवं निस्तारण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारियों की तैनाती, अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं की सूची तैयार करने, जियो-टैग फोटो के माध्यम से बल्क वेस्ट जनरेटर्स की पहचान एवं पंजीकरण, अपशिष्ट उत्पादकों एवं अन्य हितधारकों के दायित्व, बल्क वेस्ट जनरेटर्स को प्रमाणपत्र जारी करने, लीचेएट उपचार, डम्पसाइट प्रबंधन, डम्पसाइट के मानचित्रण एवं आकलन, अग्नि रोकथाम एवं प्रबंधन, अपशिष्ट प्रसंस्करण एवं निस्तारण सुविधाओं की स्थापना हेतु भूमि चिन्हित करने, विशेष प्रकोष्ठ के गठन तथा डम्पिंग ग्राउंड की उपयोगिता सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित सभी नियमों एवं विशेष प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली की समुचित जानकारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इसके लिए प्रशिक्षण, नियमित समीक्षा तथा जन-जागरूकता गतिविधियों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए, ताकि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं परिणामपरक बनाया जा सके। बैठक में क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्योहारा में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू, 31 जुलाई तक चलेगा जागरूकता व रोकथाम अभियान

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में बुधवार को अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. स्नेही ने फीता काटकर विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान और स्टॉप डायरिया कैंपेन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को संचारी रोगों की रोकथाम एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई। डॉ. स्नेही ने बताया कि 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस अभियान में 12 विभागों की सहभागिता रहेगी, जिसमें स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग है। अभियान के दौरान हाई रिस्क गांवों में एंटी लार्वा का छिड़काव, साफ-सफाई, जनजागरूकता और वेक्टर जनित एवं जल जनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जाएंगी। उन्होंने लोगों से बुखार होने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में जांच कराने, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की। वहीं स्टॉप डायरिया कैंपेन के तहत आशा कार्यकर्ता पांच वर्ष तक के बच्चों वाले घरों में ओआरएस घोल और जिंक की गोलियां उपलब्ध कराएंगी।
कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, फार्मासिस्ट, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने हरी झंडी दिखाकर विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं की जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सभी को संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वच्छता और जनजागरूकता की शपथ दिलाई। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों की प्रभावी रोकथाम के लिए जनसहभागिता, स्वच्छता और समय पर उपचार बेहद आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा बुखार से पीड़ित व्यक्ति को तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का संकल्प जनपद को संचारी रोगों से मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता, मच्छरजनित एवं जलजनित रोगों से बचाव तथा समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी मंजूषा गुप्ता, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां उपस्थित रहीं।

धामपुर में 55 बीघा शत्रु संपत्ति कराई गई कब्जामुक्त, प्रशासन ने चलाया अभियान

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम मिलक जहांगीराबाद, परगना धामपुर में स्थित घोषित शत्रु संपत्ति पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 55 बीघा भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।
नायब तहसीलदार कपिल आजाद के नेतृत्व में चले अभियान के दौरान गाटा संख्या 8, 15 एवं 18 पर अवैध कब्जा हटवाया गया। इसके बाद कब्जामुक्त कराई गई भूमि को नियमानुसार शत्रु संपत्ति पर्यवेक्षक मनोज धामा को सुपुर्द कर दिया गया। अभियान में राजस्व निरीक्षक बलराज सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल आशीष त्यागी, प्रवीण नागर, जगमोहन सहित राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शत्रु संपत्तियों पर अवैध कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दो समुदायों के प्रेम संबंध ने लिया नया मोड़, परिवारों की सहमति से टला विवाद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नहटौर क्षेत्र के एक गांव में आठ वर्ष पुराने प्रेम संबंध ने सोमवार को उस समय नया मोड़ ले लिया, जब एक युवती अपने प्रेमी के घर पहुंच गई और उसके साथ जीवन बिताने की इच्छा जताई। दोनों अलग-अलग समुदायों से होने के कारण कुछ समय के लिए गांव में तनाव का माहौल बना, लेकिन पुलिस और दोनों परिवारों की सूझबूझ से मामला शांतिपूर्ण ढंग से सुलझ गया। अंततः दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया। जानकारी के अनुसार युवक और युवती पिछले लगभग आठ वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे और उनके बीच प्रेम संबंध था। इसी बीच युवती को जानकारी मिली कि युवक के परिवार वाले उसका विवाह किसी अन्य स्थान पर तय करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद युवती सीधे युवक के घर पहुंची और उसके साथ रहने की इच्छा जताई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। मामला दो अलग-अलग समुदायों से जुड़ा होने के कारण स्थानीय पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए दोनों पक्षों को थाने ले जाकर बातचीत शुरू कराई।
थाने में कई घंटों तक चली वार्ता के दौरान पुलिस ने दोनों परिवारों को धैर्यपूर्वक अपनी बात रखने का अवसर दिया। युवक और युवती ने भी स्पष्ट रूप से एक-दूसरे के साथ रहने की इच्छा व्यक्त की। इसके बाद दोनों परिवारों ने परिपक्वता का परिचय देते हुए रिश्ते को स्वीकार कर लिया। किसी भी पक्ष ने पुलिस को तहरीर नहीं दी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने एहतियातन कुछ लोगों को मुचलका पाबंद किया। समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश यह घटना केवल एक प्रेम प्रसंग का अंत नहीं, बल्कि संवाद, संयम और पारिवारिक सहमति की शक्ति का भी उदाहरण बनकर सामने आई। यदि ऐसे संवेदनशील मामलों में आवेश, हिंसा या सामाजिक टकराव के बजाय बातचीत और कानून का रास्ता अपनाया जाए, तो कई परिवार टूटने से बच सकते हैं और समाज में सौहार्द बना रह सकता है।
विशेषज्ञों का मानना है कि युवाओं के जीवन से जुड़े निर्णयों में परिवारों का मार्गदर्शन और आपसी संवाद अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं युवाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने संबंधों और भविष्य के निर्णय कानून एवं सामाजिक मर्यादाओं का सम्मान करते हुए लें।
इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस की सतर्कता और दोनों परिवारों की समझदारी के कारण संभावित विवाद शांतिपूर्वक समाप्त हो गया। यह घटना समाज को यह संदेश देती है कि मतभेद चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, उनका समाधान संवाद, धैर्य और आपसी सम्मान से संभव है।

रातों-रात काट दिए गए फलदार आम के पेड़, वन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल

बिजनौर (सब का सपना):- सरकार जहां पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं स्योहारा क्षेत्र में हरे-भरे फलदार आम के पेड़ों की कटाई का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। बहादुरपुर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप रातों-रात कई आम के पेड़ काट दिए गए। स्थानीय लोगों का दावा है कि पेड़ों पर फल लगे हुए थे और उन्हें काटने के बाद जेसीबी से जड़ों तक उखाड़ दिया गया, जिससे मौके पर पेड़ों के अवशेष भी नहीं बचे। ग्रामीणों के अनुसार देर रात तक मौके पर आम के पेड़ मौजूद थे, लेकिन सुबह वहां समतल जमीन और निर्माण सामग्री दिखाई दी। आरोप है कि पेड़ों को काटने के बाद जेसीबी से उनकी जड़ें भी निकाल दी गईं, जिससे पूरी कार्रवाई की गंभीरता पर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले में वन विभाग ने मुकदमा दर्ज किए जाने की पुष्टि की है। हालांकि जब डिप्टी रेंजर विजय भारत से मुकदमे में नामजद आरोपियों के संबंध में जानकारी मांगी गई तो उन्होंने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उन्हें इस समय आरोपियों के नाम याद नहीं हैं। उनके इस बयान के बाद स्थानीय लोगों में कई तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि मामला इतना गंभीर था कि मुकदमा दर्ज करना पड़ा, तो फिर दोषियों की पहचान और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही है। लोगों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वन विभाग जांच को किस अंजाम तक पहुंचाता है और अवैध रूप से पेड़ों की कटाई करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

सपा कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

बिजनौर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बुधवार को नूरपुर क्षेत्र में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान कई स्थानों पर केक काटकर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की गई। ब्लॉक क्षेत्र के गांव धामरोली में आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने एकत्र होकर केक काटा तथा अखिलेश यादव के नेतृत्व की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने और अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी मेहनत से कार्य करेंगे। उन्होंने इसे ही उनके जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार बताया। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल यादव, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला सचिव संजीव यादव, प्रदेश पदाधिकारी डॉ. कुंतेश सैनी, ओम प्रकाश यादव, महावीर सिंह यादव, दुष्यंत यादव, विपिन यादव, सत्यवीर यादव, वकील अहमद और सत्येंद्र यादव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं, नूरपुर विधायक राम अवतार सैनी के आवास पर भी विधानसभा अध्यक्ष नसीम अहमद के नेतृत्व में केक काटकर अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच सक्रिय रहने का संकल्प भी लिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा का बुलडोजर से पुष्पवर्षा करके किया गया भव्य स्वागत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा के आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने उनका बुलडोजर से पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी स्वागत के लिए पहुंचे। कार्यकताओं ने बुलडोजर के माध्यम से पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। कान्हा बैंक्वेट हॉल में आयोजित स्वागत समारोह के बाद एक सभा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने सुरेश राणा का स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और बारिश भी उनके जोश को कम नहीं कर सकी। सभा को संबोधित करते हुए सुरेश राणा ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा कार्यकताओं की प्राथमिकता है। पूर्व मंत्री ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर विश्वास जताते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है।
उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उसके पूर्व शासनकाल में कानून-व्यवस्था और भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर आरोप लगाए। राणा ने दावा किया कि जनता अब विकास और सुशासन की राजनीति के साथ खड़ी है तथा केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यों पर अपना विश्वास जता रही है।

भाकियू (अराजनीतिक) की बैठक में 20 सूत्रीय मांगों पर प्रशासन से वार्ता

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में बुधवार को साधन सहकारी समिति, याकूबपुर पर किसानों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में यूरिया-डीएपी की उपलब्धता, टूटी सड़कों, अवैध खनन, ग्राम पंचायत मतदाता सूची, किसान समस्याओं सहित 20 सूत्रीय मांगों पर चर्चा की गई। चौधरी कुलदीप गुड्डू ने बताया कि गांव याकूबपुर, धतूरी, बैलौठ, घुघरावली और बनवारीपुर के किसान लंबे समय से खाद संकट से जूझ रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता के बाद समिति पर यूरिया की एक खेप भेजी गई। इसके बाद गांव याकूबपुर से कलेक्ट्रेट, बुलंदशहर तक प्रस्तावित पैदल मार्च, ट्रैक्टर मार्च और बाइक रैली को सर्वसम्मति से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया। बैठक के दौरान उप जिलाधिकारी शिकारपुर रविंद्र कुमार, नायब तहसीलदार विपिन वर्मा, एसडीओ, एडीओ सहकारिता, एसएसआई स्वदेश कुमार, समिति सचिव कल्याण सिंह तथा एलआईयू के अरुण कुमार मौजूद रहे। चौधरी कुलदीप गुड्डू की अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), जिला कृषि अधिकारी एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों से भी वार्ता हुई। किसानों ने ज्ञापन में अवैध खनन से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, मतदाता सूची में कटे नाम जोड़ने, गांवों में मिनी स्टेडियम, किसान चौपाल, खराब सरकारी नलों की मरम्मत, टूटी सड़क-नालियों का निर्माण, श्मशान घाट तक पक्का मार्ग, नालों की सफाई तथा सार्वजनिक प्याऊ एवं वाटर कूलर की व्यवस्था की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

आईजीआरएस में औरंगाबाद थाना अव्वल, कोतवाल मोहम्मद असलम के नेतृत्व में हासिल किया प्रथम स्थान

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के थाना औरंगाबाद ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) के निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है। थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद असलम के कुशल नेतृत्व, प्रभावी कार्यशैली और शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के चलते औरंगाबाद थाना यह मुकाम हासिल करने में सफल रहा। इस उपलब्धि पर पुलिस अधिकारियों ने थाना प्रभारी मोहम्मद असलम एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की है। स्थानीय लोगों ने भी थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे जनहित में एक सकारात्मक कदम बताया है। थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद असलम ने कहा कि जनता की समस्याओं का निष्पक्ष, त्वरित और प्रभावी समाधान करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय थाना पुलिस की पूरी टीम एवं क्षेत्र की जनता के सहयोग को दिया।

डॉक्टर्स डे पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही हुए सम्मानित, रोटरी क्लब स्योहारा संपूर्ण ने किया अभिनंदन

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डॉक्टर्स डे) के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए रोटरी क्लब स्योहारा संपूर्ण द्वारा स्मृति चिन्ह एवं शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में रोटरी क्लब के अध्यक्ष कांता प्रसाद पुष्पक, सचिव हरिओम हैरी, चमन भारद्वाज, संजीव अरोरा एवं रस्तोगी सहित अन्य पदाधिकारियों ने डॉ. स्नेही की जनसेवा, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में सीएचसी स्योहारा की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हुआ है और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. स्नेही ने कोविड-19 महामारी से लेकर विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई है। मरीजों के प्रति उनका व्यवहार, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव उन्हें एक संवेदनशील एवं लोकप्रिय चिकित्सक बनाता है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. बी.के. स्नेही ने रोटरी क्लब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ जनसेवा करने की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर सीएचसी स्योहारा के फार्मासिस्ट जितेंद्र रावत, प्रदीप रावत, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, योगेश कुमार, हरीश कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग एवं रोटरी क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
गुरुवार 02 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

औरंगाबाद में नालों की सफाई नहीं, छह दुकानों में भरा पानी

मूसलाधार बारिश से व्यापारियों का लाखों का नुकसान, नपा के खिलाफ गुस्सा

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बे में बुधवार तड़के हुई मूसलाधार बारिश ने नगर पंचायत के दावों की पोल खोल दी। नालों की सफाई न होने से सदर बाजार की छह दुकानों में पानी भर गया, जिससे व्यापारियों का लाखों का सामान भीगकर खराब हो गया। सुमित अग्रवाल, सुरेश चंद अग्रवाल, रजत गर्ग, अतुल गर्ग, ध्रुव सिंघल और वेदप्रकाश अग्रवाल की दुकानों में पानी भर गया। सुबह दुकान खोलने पहुंचे व्यापारियों को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंचे नगर पंचायत कर्मचारियों ने पंप से पानी निकाला। दोपहर 12 बजे तक पानी कम हो सका। घटना को लेकर व्यापारियों में नपा प्रशासन के खिलाफ गुस्सा है। जिला सहकारी बैंक, मोहल्ला जंगलीपीर, बालका रोड, भावसी चौराहा, नई बस्ती, छेपीवाड़ा, जामा मस्जिद के पीछे और प्राचीन नागेश्वर शिव मंदिर के अंदर तक दोपहर तक जलभराव रहा। ईओ रोहित सिंह ने बताया कि कर्मचारी युद्ध स्तर पर पानी निकासी में लगे हैं।

'मिशनः सेफ फ्यूचर' शुरू, बिना फिटनेस-परमिट वाले स्कूल वाहनों पर होगी कार्रवाई

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर 1 से 15 जुलाई 2026 तक प्रदेशभर में 'मिशनः सेफ फ्यूचर' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य स्कूली वाहनों के परमिट, फिटनेस सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों को शत-प्रतिशत पूर्ण कराना है। जनपद में इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल पोर्टल के अनुसार 365 विद्यालयों में 1416 वाहन संचालित हैं। इनमें 75 वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है। इनमें से 55 वाहन स्वामियों को नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि 20 वाहनों का पंजीकरण (आरसी) निलंबित करने की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 104 वाहनों के परमिट भी समाप्त पाए गए हैं। प्रशासन ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों से अपील की है कि सभी दस्तावेज पूर्ण कराने के बाद ही वाहनों का संचालन करें। नियमों की अनदेखी करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

50% वर्क फ्रॉम होम, दोगुनी पार्किंग, निर्माण बंद: दिल्ली सरकार ने प्रदूषण मास्टर प्लान किया नोटिफाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए ह्यमास्टर प्लान नोटिफाई कर दिया है। यह स्थायी नियम 1 नवंबर से 28 फरवरी तक लागू रहेंगे। बिना वैध पीयूसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट) के किसी भी वाहन को ईंधन नहीं मिलेगा और यह नियम पूरे साल लागू रहेगा। इसके साथ ही इस मास्टर प्लान के मुताबिक 1 नवंबर से 31 जनवरी तक तोड़फोड़ और सिविल निर्माण कार्यों पर पूरी तरह रोक रहेगी। पार्किंग शुल्क भी दोगुना किया जाएगा सरकार ने ऑफिसों में 1 नवंबर से 50 प्रतिशत कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने का निर्देश दिया है और पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए सभी को अपनी भागीदारी निभानी होगी।

दिल्ली में 650 करोड़ के स्वास्थ्य घोटाले में एक्शन, डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह बर्खास्त; दो जूनियर असिस्टेंट सस्पेंड

नई दिल्ली। 650 करोड़ रुपये के स्वास्थ्य घोटाले की जांच के बीच स्वास्थ्य विभाग में एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. सुषमा जैन ने डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी। इसके साथ ही डीजीएचएस कार्यालय में तैनात दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित कर दिया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) से जुड़े मामलों और निजी दवा सप्लायरों से नजदीकी के आरोपों की जांच के बीच की गई है। सप्लायरों से नजदीकी और खरीद प्रक्रिया में भूमिका की जांच आदेश के अनुसार सुमित सिंह को सभी सरकारी फाइलें, दस्तावेज, लैपटॉप, पहचान पत्र और अन्य विभागीय सामग्री तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि सुमित सिंह लंबे समय से खरीद और सप्लाई से जुड़े कार्यों में तैनात थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि दवा और चिकित्सा सामग्री की खरीद से जुड़े कुछ सप्लायरों के साथ उनके संबंधों की प्रकृति क्या थी और खरीद प्रक्रिया में उनकी क्या भूमिका रही। दो जूनियर असिस्टेंट पर हुई थी कार्रवाई इसी मामले में दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित किया गया है। हालांकि विभाग ने जांच में उनकी भूमिका को देखते हुए उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। माना जा रहा है कि खरीद प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों, रेकार्ड और फाइल मूवमेंट की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। इससे पहले सीपीए स्टोर से जुड़े पांच फार्मासिस्ट और दो अधिकारियों को भी निलंबित किया जा चुका है। वहीं पूर्व डीजीएचएस डा. वत्सला अग्रवाल समेत दो अधिकारियों को जेल भेजा जा चुका है। कई वरिष्ठ अधिकारी एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) की कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। जांच एजेंसियां दवाओं, सर्जिकल सामान और चिकित्सा उपकरणों की खरीद से जुड़े रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही हैं। 40 से ज्यादा अधिकारियों-कर्मचारियों का तबादला सूत्रों के अनुसार सरकार स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। हाल के दिनों में सीपीए और उससे जुड़े विभिन्न कार्यालयों में तैनात 40 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला भी किया गया है। एसीबी, विजिलेंस और अन्य एजेंसियों की जांच जारी है। माना जा रहा है कि जांच आगे बढ़ने के साथ कुछ और अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

सपाइयों ने मनाया केक काटकर अखिलेश यादव का जन्मदिन, किया मिष्ठान वितरित

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। केक काटा गया और मिष्ठान वितरित किया गया इस खास मुबारक मौके पर कार्यकर्ताओं ने आशा जताई कि आगामी विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव एक बार फिर से प्रदेश के मुखिया होंगे पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन सैयद हिमायत अली के आवास पर

आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के जन्मदिन पर केक काटा और एक दूसरे का मूंह मीठा कराया। मिष्ठान वितरित कर खुशियां मनाई गईं समाजवादी पार्टी जिला सचिव एवं सभासद पति शहाजुद्दीन मेवाती उर्फ भूरा मेवाती ने कहा कि भाजपा सरकार की समाज को बांटने की नीति और प्रदेश में सर्वत्र व्याप्त भृष्टाचार से प्रदेश की जनता आजिज आ चुकी है।

आगामी विधानसभा चुनावों में जनता समाजवादी पार्टी को चुनने का मन बना चुकी है। अगली सरकार सपा की होगी और अखिलेश यादव प्रदेश के मुखिया बनेंगे इस अवसर पर सैयद हिमायत अली, सैयद अफजल अली सैयद गौहर अली, शहाजुद्दीन मेवाती, निजामुद्दीन सैफी मोहम्मद अली मलिक,नईम, वाहिदखां ताहिर मेवाती,शंभू खां आदि अनेक लोग मौजूद रहे।

दिल्ली में टिल्लू ताजपुरिया का खास गुर्गा गिरफ्तार, अलीपुर में की थी ताबड़तोड़ फायरिंग; जेल में हुई गैंगस्टर

नई दिल्ली। राजधानी में संगठित अपराध और गैंगस्टर के खिलाफ दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अलीपुर में जमीन कब्जाने के दौरान हुई 12 राउंड फायरिंग मामले में कुख्यात टिल्लू ताजपुरिया के करीबी गुर्गे संदीप उर्फ दागू महाराज और उसके एक साथी दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, आठ कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई काले रंग की स्कॉर्पियो-एन कार बरामद की है। हथियारबंद बदमाशों ने किया था हमला 30 अक्टूबर 2025 को रामजनपुर गांव में एक विवादित प्लॉट पर कब्जा करने के इरादे से करीब 40 से 45 हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोला था। इलाके में दहशत फैलाने के लिए बदमाशों ने अंधाधुंध 12 राउंड हवाई फायरिंग की, ताले तोड़े और वहां मौजूद लोगों पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस संबंध में अलीपुर थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोचा क्राइम ब्रांच के एसीपी गिरीश कौशिक और इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह की टीम को सूचना मिली कि अलीपुर फायरिंग मामले का वांटेड संदीप उर्फ दागू महाराज अपने साथी के साथ काले रंग की स्कॉर्पियो कार से नरेला इलाके में आने वाला है। पुलिस टीम ने नरेला यूईआर-दो रोड और अलीपुर-नरेला रोड को जोड़ने वाली रोड पर संदिग्ध कार वहां पहुंची, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। बदमाशों ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। जेल में बना टिल्लू ताजपुरिया का खास गुर्गा पूछताछ में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी संदीप उर्फ दागू महाराज (40 वर्ष) सातवीं पास है और साल 2011 में मोबाइल झपटमारी के केस से अपराध की दुनिया में आया था। इसके बाद वह हत्या और हत्या के प्रयास जैसे कई संगीन मामलों में शामिल रहा।

आईजी सिस्टम से कमिश्नरेट प्रणाली तक: जानिए क्यों खास है दिल्ली पुलिस के लिए 1 जुलाई का दिन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस आज अपना 'कमिश्नरेट डे' मना रही है। इस खास मौके पर किंग्सवे कैंप स्थित 'न्यू पुलिस लाइंस ग्राउंड' में एक भव्य और गौरवशाली कमिश्नरेट डे परेड का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक दिन को चिह्नित करने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल और पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा सहित कई आला अधिकारी मौजूद रहे। आज ही के दिन यानी एक जुलाई 1978 को दिल्ली में पुरानी 'आईजी व्यवस्था' को खत्म कर 'पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली' लागू की गई थी। जे.एन. चतुर्वेदी दिल्ली के पहले पुलिस कमिश्नर बने थे। इस व्यवस्था के आने के बाद दिल्ली पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीधे मजिस्ट्रेट शक्तियों के अधिकार मिल गए, जिससे फैसले तेजी से लिए जाने लगे। इसी ऐतिहासिक बदलाव की याद में हर साल एक जुलाई को कमिश्नरेट डे मनाया जाता है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने ली परेड की सलामी कमिश्नरेट डे परेड दिल्ली पुलिस के अनुशासन, आधुनिकता और ताकत का एक बेजोड़ प्रदर्शन होती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधु ने परेड की सलामी ली और मार्च पास्ट का निरीक्षण किया। दिल्ली पुलिस के जवानों की विभिन्न टुकड़ियों (कंटिनजेंट) ने बैंड की धुनों पर कदमताल की। इसमें हाल ही में गणतंत्र दिवस पर 'सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी' का अवॉर्ड जीतने वाली दिल्ली पुलिस की विशेष टुकड़ी भी शामिल हुई। परेड में दिल्ली पुलिस की स्वाट टीम (कमांडो), डॉग स्क्वाड, ट्रैफिक पुलिस, और पीसीआर यूनिट्स ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस के जांबाज मोटरसाइकिल सवारों ने (बुलेट सवार) हैरतअंगेज और संतुलन से भरे स्टंट्स दिखाए। पुलिस कमिश्नर ने अपना विजन देश के सामने रखा इस मौके पर बेहतरीन काम करने वाले पुलिस अधिकारियों और जवानों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही दिल्ली के बेस्ट पुलिस स्टेशन की ट्रॉफी भी दी गई। दिल्ली पुलिस कमिश्नर इस दौरान राजधानी की सुरक्षा को लेकर अपनी प्राथमिकताओं (जैसे साइबर क्राइम पर लगाम, ड्रग्स फ्री दिल्ली और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल) पर सालाना रिपोर्ट और विजन देश के सामने रखा। सुरक्षा और व्यवस्था के लिहाज से इस परेड को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, जो दिल्ली की जनता को सुरक्षा का भरोसा दिलाती है।

संचारी रोग अभियान शुरू, नगर पालिका अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर से संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका परिषद बुलंदशहर की अध्यक्ष दीप्ति मित्तल ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार दोहरे ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 31 जुलाई तथा दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत विभिन्न विभाग संयुक्त रूप से स्वच्छता, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम एवं जनजागरूकता के लिए कार्य करेंगे। वहीं दस्तक अभियान में आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को स्वच्छता, हाथ धोने की सही विधि, मच्छरों से बचाव तथा पोषण के प्रति जागरूक करेंगी। इस अवसर पर डॉ. रमित कुमार सिंह (जिला सर्विलांस अधिकारी), डॉ. कमलेन्द्र भारद्वाज (शहरी टीकाकरण प्रभारी), वीरेंद्र वर्मा (DUHC-NUHM) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्लीवालों की बल्ले-बल्ले, 6 लेन के द्वारका टनल को मंजूरी; साउथ से वेस्ट दिल्ली की दूरी होगी कम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट आर्थिक मामलों की समिति ने आज 6 लेन की द्वारका टनल के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह टनल द्वारका एक्सप्रेसवे को वसंत कुंज के नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ेगी। इस परियोजना की कुल लंबाई 8.1 किमी और कुल पूंजी लागत 6969.67 करोड़ रुपये है। इसे हाइब्रिड मोड में अगले 5 साल में तैयार किया जाएगा। यह परियोजना पश्चिम और दक्षिण दिल्ली के बीच बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित करेगी, जो यूईआर 2/द्वारका एक्सप्रेसवे के शिव मूर्ति चौक को दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज से जोड़ेगी। इससे गुरुग्राम, द्वारका, आईजीआई हवाई अड्डे और पश्चिम दिल्ली से दक्षिण दिल्ली की

ओर जाने पैसेंजर्स को भी लाभ होगा। इस टनल के निर्माण से भारी ट्रैफिक जाम की समस्या भी खत्म होगी। सुरक्षित रहेगा दक्षिणी रिज फॉरेस्ट एरिया इस प्रस्तावित टनल से दक्षिणी रिज फॉरेस्ट एरिया भी सुरक्षित रहेगा। एनएचएआई एम्स और महिपालपुर के बीच एक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का भी प्रस्ताव कर रहा है। यह लिंक सुरंग को बारापुल्ला एलिवेटेड रोड से जोड़ेगा, जिससे पश्चिम दिल्ली और दक्षिण दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा से जुड़ जाएंगे। 8 किलोमीटर लंबा यह टनल पुरानी मांग को पूरा करेगाः अश्विनी वैष्णव केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बाता, "पहला प्रोजेक्ट 2-लेन वाला द्वारका टनल है। यह दिल्ली के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। 8 किलोमीटर लंबा यह टनल एक पुरानी मांग को पूरा करेगा। यह शिव मूर्ति इंटरचेंज से शुरू होकर वसंत कुंज, फिर नेल्सन मंडेला मार्ग और बारापुल्ला नाले के पास एलिवेटेड कॉरिडोर से होते हुए डीएनडी फ्लाईवे तक पहुंचेगा।" उन्होंने बताया कि यह एक बिल्कुल नया कॉरिडोर बनेगा... सारा काम 'रिज' फॉरेस्ट एरिया को नुकसान पहुंचाए बिना किया जाना जाएगा। 'रिज' दिल्ली के 'फेफड़ों' की तरह काम करता है, इसलिए टनल का निर्माण इसके नीचे इस तरह किया जाएगा कि इसे जरा भी नुकसान न पहुंचेगा। यही वह प्रस्ताव है जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कैबिनेट में मंजूरी दी है।"

'अमित शाह कभी राम मंदिर नहीं गए', केजरीवाल ने पूछे 5 तीखे सवाल; अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले में बड़ा हमला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी के नाम पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाया है। बुधवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने शाह पर आरोप लगाया कि वे कभी राम मंदिर ही नहीं गए। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा भगवान राम के नाम पर वोट तो खूब मांगती है लेकिन जीतने के बाद उन्हें धन्यवाद तक नहीं करती। आज 21 राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार है,

लेकिन फिर भी अमित शाह एक बार भगवान राम का आभार प्रकट करने नहीं गए। अमित शाह से पूछे पांच सवाल केजरीवाल ने अमित शाह से पांच सवाल भी पूछे। मसलन, आप राम मंदिर क्यों नहीं गए? क्या आप रामचंद्र को भगवान मानते हैं? इत्यादि। उन्होंने कहा कि दान चोरी पर जो कार्रवाई हो रही है, वो भी आंखों में धूल झोंकने वाली है। सच यह है कि जब तक केंद्र और यूपी में भाजपा सरकार है, दान चोरों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि इन लोगों को कानून भले सजा न दे लेकिन भगवान राम जरूर देंगे। इनसे इनकी सत्ता छीन लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज केवल आम आदमी पार्टी सनातन धर्म मानने और उसका सम्मान करने वाली है। पंजाब में हम लोग जगह जगह भजन संध्या करा रहे हैं, मंदिर भी बनवा रहे हैं।

दिल्ली में साइबर अपराध का बढ़ता खतरा; बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे हो रहे सबसे ज्यादा शिकार

नई दिल्ली। डिजिटल क्रांति के साथ ही एक खतरनाक 'जाल' सा फैल गया है। इसमें उम्र, लिंग और मासूमियत को हथियार बनाकर साइबर अपराधी अब अलग-अलग वर्गों को खास तरीके से निशाना बना रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों की जमा पूंजी लूटने से लेकर महिलाओं की इज्जत और बच्चों की मासूमियत तक को नहीं छोड़ रहे। जरा सी लापरवाही से बहुत भारी पड़ रही है। बुजुर्ग सबसे आसान शिकार साइबर विशेषज्ञों के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित हैं। डिजिटल दुनिया से अनजान होने, ऑनलाइन सुरक्षा के बुनियादी नियम न जानने और सेवानिवृत्ति की बचत रखने के कारण वे ठगों के पसंदीदा शिकार बन जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार,

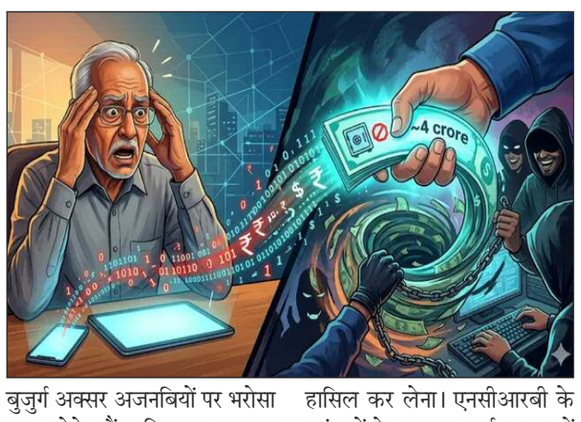

बुजुर्ग अक्सर अजनबियों पर भरोसा कर लेते हैं, जिसका फायदा डिजिटल अरेस्ट जैसे घोटालों में उठाया जाता है। इसके अलावा बिजली विभाग का अधिकारी बनकर बिजली काटने की धमकी देना, फिर एपीके फाइल भेजकर बैंक डिटेल्स हासिल कर लेना। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में दिल्ली में 18 वर्ष से ऊपर की महिलाओं के खिलाफ 78 साइबर अपराध दर्ज किए गए। इनमें से 75 मामले यौन स्पष्ट सामग्री के अनधिकृत प्रसारण से जुड़े थे। वर्ष 2023 में यह संख्या 36 थी। मॉर्फिंग, फर्जी प्रोफाइल और निजी फोटोज का दुरुपयोग अब आम हो गया है। अपराधी महिलाओं को भावनात्मक रूप से जोड़कर ब्लैकमेल करते हैं। सबसे चिंताजनक आंकड़ा बच्चों का है। वर्ष 2024 में दिल्ली में बच्चों के खिलाफ 151 साइबर अपराध दर्ज हुए, जिनमें से 149 मामले बच्चों से संबंधित यौन स्पष्ट सामग्री के ऑनलाइन प्रसारण के थे। 2023 में यह संख्या मात्र 14 थी। अपराधी फर्जी आईडी बनाकर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाते हैं। बढ़ता स्क्रीन टाइम और माता-पिता की निगरानी में कमी इस समस्या को और गंभीर बना रही है।

4.5 साल से क्यों अटका है मास्टर प्लान? दिल्ली के दुकानदारों की बढ़ रही बेसब्री, सीएम से पूछा- आखिरकार कब आएगा

नई दिल्ली। दिल्ली में व्यापारियों और उद्यमियों में मास्टर प्लान 2041 को लेकर इंतजार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में व्यापारी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर मास्टर प्लान 2041 को तत्काल अधिसूचित कराने में हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं । चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अनुसार चार पांच साल की देरी से दिल्ली का कारोबार नीतिगत पंगुता में फंस गया है और 20 लाख से अधिक व्यापारी रोज सीलिंग, चालान व रिश्वत के डर में जी रहे हैं। क्यों अटका है मास्टर प्लान? CTI चेयरमैन बृजेश गोयल और महासचिव रमेश आहूजा के अनुसार मास्टर प्लान 2021 दिसंबर 2021 में समाप्त हो गया था। डीडीए ने 28 फरवरी 2023 को मास्टर प्लान-2041 मंजूर कर केंद्र को भेज दिया, पर तीन साल से यह केंद्र सरकार के पास लंबित है। दुकानदारों व बाजारों की समस्या सीलिंग की तलवारः मिक्स्ड लैंड यूज व कमर्शियल स्ट्रीट्स क्लियर न होने से 2018 जैसी सीलिंग का डर वापस आ गया। रुका विस्तारः आवासीय इलाकों में नई दुकान,

ऊपर मंजिल बढ़ाने की अनुमति नहीं मिल रही। कन्वर्जन चार्ज का नुकसानः मास्टर प्लान-2041 में चार्ज घटाने का प्रस्ताव है, पर पुराने महंगे रेट पर देना पड़ रहा है। बैंक ऋण बंदः कल को सील हो गई तो? कहकर बैंक कमर्शियल प्रॉपर्टी पर ऋण नहीं दे रहे हैं, जिससे दुकानदारों का नुकसान हो रहा है। फैक्ट्री मालिकों का दर्द नॉन-कन्फर्मिंग उद्योग पर संकटः दिल्ली की 90 प्रतिशत फैक्ट्री कभी भी बंद हो सकती हैं। रिलोकेशन स्कीम अटकी हुई है। नई फैक्ट्री नहीं लग रहीः लैंड पूलिंग नीति मास्टर प्लान-2041 में है। अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिल रहा है। पर्यावरण प्रदूषण व फायर डिपार्टमेंट नए नियम के इंतजार में अनापत्ति प्रमाण पत्र रोक रहे हैं। होटल, रेस्त्रां व बैंक्वेट हॉल संचालकों की परेशानी लाइसेंस अटकेः रूफटाप रेस्त्रां, नाइट इकोनामी, टेरेस डाइनिंग को लीगल करना था। एमसीडी हेल्थ-ट्रेड लाइसेंस नहीं दे रही है। पार्किंग नॉर्म्स की मारः नए आसान नियम लागू नहीं हुए। 100 गज पर भी दो कार पार्किंग मांग रहे, चालान कर रहे। बैंक्वेट सील हो रहेः आवासीय इलाके में बैंक्वेट को इजाजत मास्टर प्लान-2041 में मिलनी थी। अभी अवैध मानकर सील कर देते हैं। एफएआर का नुकसानः होटल्स को ज्यादा एफएआर मिलना था। छोटे होटल बड़े नहीं बन पा रहे, टूरिज्म बढ़ रहा पर कमरे कम हैं। सर्कल रेट की सबसे बड़ी मार- संपत्ति मार्केट ठप मास्टर प्लान में देरी से सर्कल रेट 2021 में फ्रीज हो गए हैं।

जानकारी

कान दर्द से बचने के घरेलू नुस्खे

कान दर्द के घरेलू उपाय

कान में होने वाला दर्द बहुत असहनीय होता है। इसके पीछे कई कारण होते हैं जैसे कान पर चोट लग जाना या किसी प्रकार की समस्या आदि। इनसे बचने के लिए घर पर ही कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो कान दर्द से निजात

दिलाती हैं। आइए जानें कान दर्द के घरेलू नुस्खों के बारे में

मेथी

पांच ग्राम मेथी के बीज एक बड़ा चम्मच तिल के तेल में गरम करें। इसे छानकर शीशी में भर लें। हर रोज सुबह-शाम दो बूंद इसे कान में डालें। इसे कान पीप का उम्दा इलाज माना गया है।

यूकेलीप्टस का तेल

एक कटोरे में उबाला हुआ पानी लें,इसमें यूकेलीप्टस के तेल की कुछ बूंदें और एक चम्मच विक्स मिला दें अब एक तौलिए से अपने सिर को अच्छी तरह से ढक लें और नाक से सांस के माध्यम से वाष्प को जितना हो सके अंदर खींचें,यह अंदर के दबाव को कम कर कर्णस्राव को बाहर निकालने में मदद करता है।

नमक से सिंकाई

चार या पांच चम्मच नमक को सौसपेन में तबतक धीमी आंच पर भुनें जब तक की यह भूरे रंग का न हो जाए ,अब इस गर्म किए हुए भुने नमक को एक साफ कपड़े पर अच्छी तरह से लपेट लें और इसे कान के प्रभावित हिस्से में दो से पांच मिनट तक रखें , आप सूजन और दर्द में आराम महसूस करेंगे।

विटामिन सी का सेवन

अपने भोजन में अधिक से अधिक विटामिन-सी युक्त पदार्थों जैसे अमरूद ,नींबू ,संतरे ,पपीते अदि फलों का प्रयोग करें ये कान में होने वाले दर्द को कम करने में उपयोगी होते हैं।

सिरका

सफेद सिरके (वेनेगर) एवं रबिंग एल्कोहल के मिश्रण को दो बूंद ड्रॉपर की मदद कान में डालकर कान को कुछ समय(लगभग एक घंटे) तक रूई से बंद कर देने और इसी क्रम को बार-बार दुहराने से संक्रमण ठीक होता है।

अदरक

कान में दर्द की समस्या को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर कान में दर्द हो रहा है तो अदरक का रस निकालकर दो बूंद कान में टपका देने से भी दर्द और सूजन में काफी आराम मिलता है।

लहसुन

लहसुन की दो कलियों को अच्छी तरह से पीस लें अब इसमें एक चुटकी नमक मिलाकर ऊनी कपड़े से बनाई गई पुल्टीस को दर्द वाले हिस्से के ऊपर रखें ,इससे दर्द में आराम मिलेगा।

प्याज का रस

प्याज का रस निकाल लें,अब रुई के फाये या किसी वूलेन कपड़े के टुकड़े को इस रस में डुबाएं। अब इसे कान के ऊपर निचोड़ दें ,इससे कान में उत्पन्न सूजन,दर्द ,लालिमा एवं संक्रमण को कम करने में मदद मिलती है।

सरसों का तेल

दो या तीन बूँद सरसों का तेल संक्रमण युक्त कर्णवेदना में लाभ देता है। एक साफ सुथरे तौलिये को गर्म पानी में डुबाएं और इसे संक्रमण युक्त कान के हिस्से के ऊपर दबाते हुए लगभग 20 मिनट तक रखें यह कर्णवेदना से तुरंत आराम देता है।

तुलसी की पत्तियां

तुलसी के पत्तों का रस गुनगुना कर दो-दो बूंद सुबह-शाम डालने से कान के दर्द में राहत मिलती है। अगर अक्सर कान में दर्द होता है तो यह नुस्खा बहुत ही असरकारी साबित हो सकता है आपके लिए। तुलसी के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं जो दर्द में आराम दिलाते हैं।

थायराइड

के मरीज को कभी नहीं करना चाहिए इन 5 चीजों का सेवन

थायरॉइड एक किस्म का हारमोन है। हमारे थायरॉइड ग्लैंड्स शरीर से आयोडीन लेकर इन्हें बनाते हैं। ये हारमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। जब ग्लैंड्स किसी वजह से ज्यादा हारमोन बनाने लगते हैं, तो उसे हम कहते हैं कि थायरॉइड बढ़ गया है। थायरॉइड का बढ़ा होना बड़ी दिक्कत देता है। महिलाएं इसकी सबसे ज्यादा शिकार होती हैं। इससे वजन बढ़ने के साथ ही बेचैनी, ठीक से नींद न आना, पीरियड का टाइम पर न आना, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी परेशानियां होने लगती हैं।

इसके इलाज के लिए डॉक्टर से मिलें और वक्त पर दवा लें। यह इतनी बड़ी बीमारी भी नहीं है कि काबू न आ पाए। इसके अलावा आपको इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी चीजें न खाएं, जिससे थायरॉइड से पैदा होने वाली परेशानियां और बढ़ जाएं। आइये आपको बताते हैं कि थायरॉइड में किन चीजों से परहेज जरूरी है।

कैफीन

कैफीन वैसे तो सीधे थायरॉइड नहीं बढ़ाता, लेकिन ये उन परेशानियों को बढ़ा देता है, जो थायरॉइड की वजह से पैदा होती हैं, जैसे बेचैनी और नींद में खलल। इसलिए आप कॉफी से थोड़ा दूर ही रहें तो ठीक है।

आयोडीन वाला खाना

हमने शुरू में ही बता दिया था कि थायरॉइड ग्लैंड्स हमारे शरीर से आयोडीन लेकर थायरॉइड हारमोन को पैदा करते हैं। ऐसे में जो लोग इसके ज्यादा होने से परेशान हैं, उन्हें ऐसे खाने से परहेज करना चाहिए, जिनमें खूब आयोडीन हो। सी फूड और आयोडीन वाले नमक को अवॉइड करें।

एल्कोहल

एल्कोहल यानी शराब, बीयर आदि शरीर में एनर्जी लेवल को प्रभावित करते हैं। इससे थायरॉइड से ग्रसित लोगों की नींद में दिक्कत की शिकायत और बढ़ जाती है। इसके अलावा इससे ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। शराब तो किसी के लिए अच्छी नहीं होती। इसकी वजह से मोटापा भी बढ़ता है।

वनस्पति घी

भारत में आमतौर पर हम इसे डालडा घी बोलते हैं। इस घी को दरअसल वनस्पति तेल को हाइड्रोजन में से गुजारकर बनाया जाता है। इस घी का इस्तेमाल खाने-पीने की दुकानों में जमकर होता है। इससे अच्छे कॉलेस्ट्रॉल खत्म होते हैं और बुरे बढ़ते हैं। बढ़े थायरॉइड से जो परेशानियां पैदा होती हैं, ये उन्हें और बढ़ा देता है।

रेड मीट

रेड मीट में कॉलेस्ट्रॉल और सेचुरेडेट फैट बहुत होता है। इससे वेट तेजी से बढ़ता है। थायरॉइड वालों का वेट तो वैसे ही आगे की ओर भागता है। इसके अलावा रेड मीट खाने से थायरॉइड के रोगियों को बदन में जलन की शिकायत होने लगती है। आप चिकन वगैरा ले सकते हैं, चिकन की चेस्ट में अच्छा प्रोटीन होता है और उससे फैट बढ़ने की दिक्कत नहीं होती।

योग से दूर करें थायराइड

थायराइड की समस्या थॉयरॉक्सिन हार्मोन के असंतुलन के कारण होती है। इस हार्मोन की वजह से पूरे शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिसमें ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन, वजन असंतुलन, रक्तचाप आदि लक्षण शामिल हैं। योग से शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कायाकल्प प्राचीन पद्धति का तरीका है। योग के विभिन्न आसन थायराइड पर नियंत्रण पाने के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए आपको नियमित योगाभ्यास की जरूरत होती है। आइए जानें कौन-कौन से आसन करके थायराइड के रोग को योग द्वारा भगाया जा सकता है।

विपरीत करणी आसन

सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं फिर अपने दोनों हाथों और दोनों पैर आपस में जोड़ें। अब दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पहले 30 डिग्री, फिर 60 डिग्री और 90 डिग्री तक आकर पैरों को रोक लें। अब दोनों हाथों को नितंबों पर रखकर पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों कुहनियों को जमीन पर ही रखें। अब पैरों को सीधा रखें और हथेलियों के सहारे कमर को ऊपर उठाने का प्रयास करें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस हाथों के सहारे कमर को नीचे लाएं। फिर पैरों को 90 डिग्री के कोण पर लाएं और इस स्थिति में थोड़ी देर रूकें। **यह योग उन लोगों को नहीं करनी चाहिए जिन्हें हाई ब्लडप्रेशर या हर्ट से संबंधित, स्पोंडलाइटिस और स्लिप-डिस्क की शिकायत है।**

मत्स्यासन व हलासन

मत्स्यासन में पीठ के बल सीधा जमीन पर लेट जाएं फिर अपने पैरों को आपस में जोड़ लें। अब दोनों हाथों को गर्दन की पास रखें और हथेलियों का सहारा लेते हुए गर्दन को उठाने का प्रयास करें। अब दोनों हाथों को जांघ पर रखें। वापस आते समय दोनों हथेलियों के सहारे गर्दन को दोबारा उसी स्थिति में वापस ले आएं। हलासन में पीठ के बल लेट कर अपने पैरों को मिला लें। अब धीरे-धीरे दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं और पैरों को 30, 60 और 90 डिग्री के कोण पर लाकर रोकें। अब दोनों हाथों पर जोर देकर पैरों को सिर की ओर थोड़ा सा झुकाएं। जब पैर जमीन को स्पर्श करने लगे, तो दोनों हथेलियों को क्रॉस करके बांधे और सिर पर रखें।

ब्रह्ममुद्रा व नाड़ीशोधन प्राणायाम

ब्रह्ममुद्रा आसन के लिए वज्रासन में या अपनी कमर सीधी करके बैठें और गर्दन को 10-15 बार ऊपर-नीचे, और फिर दाएं-बाएं करें। और इतनी ही बार क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। नाड़ीशोधन प्राणायाम में कमर और गर्दन सीधी करके बैठें और फिर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लेकर दूसरे नाक से निकालें। यही क्रिया फिर दूसरी नाक से भी करें। इस कम से कम 10 बार दुहराएं।

उष्ट्रासन व धनुरासन

घुटनों पर खड़े हो जाएं। फिर पीठ को पीछे की ओर झुकाते हुए दोनों हाथों से एड़ियों को पकड़कर गर्दन पीछे की ओर झुकाएं और पेट को आगे की तरफ उठाएं। चूंकि इस आसन में शरीर ऊंट की आकृति जैसा हो जाता है। इसलिए इसे उष्ट्रासन कहा जाता है। इस स्थिति में 10-15 बार सांस धीरे-धीरे लें और छोड़ें। धनुरासन में पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़ लें। (इस आसन में शरीर धनुष के सामान हो जाता है।) फिर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 बार धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लें और छोड़ें।

(यह सब आसन थायराइड को दूर करने के लिए है पर आप इस बात का ध्यान रखें कि इन आसनों को किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।)

सुझाव

घरेलू नुस्खों से कैसे करें इम्पेटिगो का उपचार

इम्पेटिगो एक बेहद ही संक्रामक त्वचा संकमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। हल्के मामलों का इलाज साफ-सफाई का ध्यान रखकर या घरेलू उपचार के साथ किया जा सकता है। आइए इम्पेटिगो के घरेलू उपायों के बारे में जानकारी लेते हैं।

घरेलू उपायों से करें इम्पेटिगो का इलाज

इम्पेटिगो बेहद ही संक्रामक त्वचा संकमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। आमतौर पर यह समस्या दो प्रकार के बैक्टीरिया यानी स्ट्रेप्टोकोकस प्योगेनेस और स्टेफाइलोकोकस के कारण होती है। बैक्टीरिया त्वचा को कट के माध्यम से संक्रमित करती है, अन्यथा स्वस्थ त्वचा में खुजली या एक्जिमा जैसे अन्य अंतर्निहित समस्याएं के कारण ऐसा होता है। हालांकि यह समस्या किसी को भी हो सकती है, लेकिन छोटे बच्चों और शिशुओं में यह बहुत ही आम है। अन्य जोखिम कारकों में स्वच्छता की कमी, गर्म मौसम और अन्य प्रकार के त्वचा संक्रमण, सूजन, डायबिटीज, कमजोर इम्यूनिटी शामिल है। इम्पेटिगो के लक्षण प्रकार पर निर्भर करते हैं। हालांकि आम लक्षणों में लाल चकत्ते, तरल पदार्थ से भरे छाले, खुजली, प्रभावित हिस्से पर खरोंच, त्वचा पर घाव और सूजन लिम्फ नोड्स शामिल है। इम्पेटिगो का इलाज हालत की गंभीरता पर निर्भर करता है।

इस्तेमाल का तरीका

- 2 कप गुनगुने पानी में एक चम्मच सफेद सिरका मिला लें।
- फिर कपड़े के उपयोग से मिश्रण को संक्रमित त्वचा को धो लें ।
- फिर त्वचा को ड्राई करके, ओवर-द-काउंटर एंटीबायोटिक क्रीम लगाये।
- हल्के से गॉज की मदद से संक्रमित हिस्से को कवर करें।
- इस उपाय को संक्रमण दूर होने तक दिन में 2 या 3 बार करें।

सफेद सिरका का प्रयोग ओरल

त्वचा की चिकित्सा के लिए संक्रमित हिस्से को साफ रखने के लिए बहुत जरूरी होता है। इसे साफ करने के लिए आप पानी या एंटीबायोटिक वॉश का उपयोग कर सकते हैं। आप सफेद सिरके के इस्तेमाल से खुद का एंटीबायोटिक मिश्रण तैयार कर सकते हैं। यह संक्रमण को फैलने से रोकने के साथ संक्रमित हिस्से को सूखने में मदद करता है।

टी ट्री तेलः टी ट्री ऑयल इस बैक्टीरिया के संक्रमण को फैलने से रोकता हैं। यह तेल मजबूत एंटी-माइक्रोबील और एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों से भरपूर होता है जो संक्रमण से लड़ने और लक्षणों से राहत देने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीकाः टी ट्री ऑयल ऑयल की कुछ बूंदों को एक चम्मच ऑलिव ऑयल में मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लें। इसे 20 से 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से साफ कर लें। कुछ दिनों तक इस उपाय को नियमित रूप से 2 से 3 बार करें। वैकल्पिक रूप से, गुनगुने पानी के एक छोटे से टब में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदे मिलाये। इस मिश्रण से प्रभावित हिस्से को दिन में कई बार धोने में प्रयोग करें।

अंगूर बीज का सत्तः अंगूर बीज का सत्त इम्पेटिगो के इलाज में कारगर है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण एक गैर विषैले कीटाणुनाशक के रूप में काम करता है।

इस्तेमाल का तरीकाः अंगूर के बीज के सत्त में कुछ बूंदे 2 बड़े चम्मच पानी में मिलाएं। फिर इसे कॉटन बॉल की मदद से संक्रमित त्वचा पर दिन में 2 या 3 बार लगाएं। हो सकता है कि शुरुआत में आपको खुजली हो लेकिन इससे संक्रमण जल्द ही ठीक हो जायेगा।

प्रभावी उपाय लहसुनः लहसुन में मौजूद प्राकृतिक एंटीबायोटिक गुण बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते है। साथ ही यह खुजली और दर्द से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीकाः 2 चम्मच तिल के तेल में लहसुन की 2 से 3 कली कुचलकर जला लें। फिर इसे तेल को ठंडा होने दें। कुछ दिनों के लिए इसे नियमित रूप से प्रभावित त्वचा पर दिन में दो बार लगाएं। आप चाहे तो इसमें कच्चे लहसुन की कुछ कली को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन — दी दू थ झ ञ द दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3935

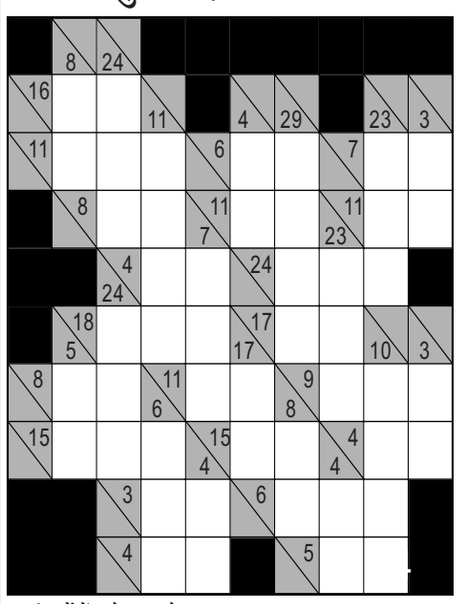

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

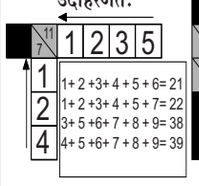

काकुरो - 3934 का हल

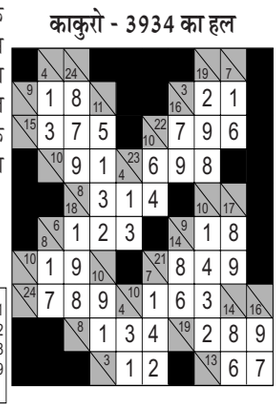

हंसी के फव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3935

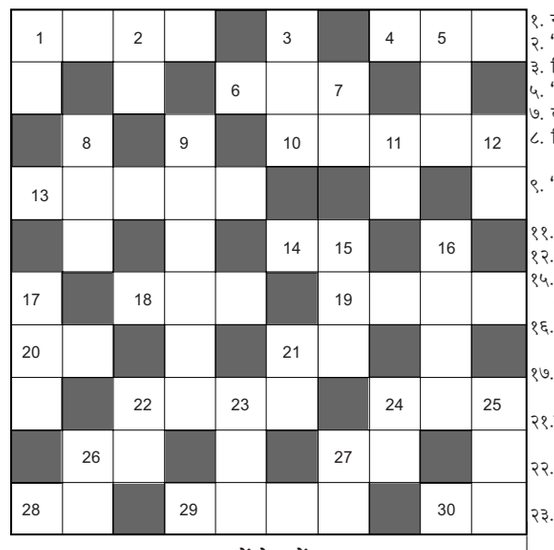

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3934

म	न	मं	दि	र		गु	म	रा	ह
धु		थ		न	गी	ना		धि	
मं	हा	न	ता		त	ह	की	का	त
ती			क	र्ज			म		प
	अ	मृ	त		चा	ह	त		स्या
सं		त्यु		मु	नी	म		श	
ग्र	यै	दा		क्ति		रा	जा	बा	बू
र्ष		ता	ल		आ	ज		ना	म
	कौ		गा	य	ब		जू		
खा	न	दा	न		रू	दा	ली		माँ

सूडोकु -3935

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3934 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 3935

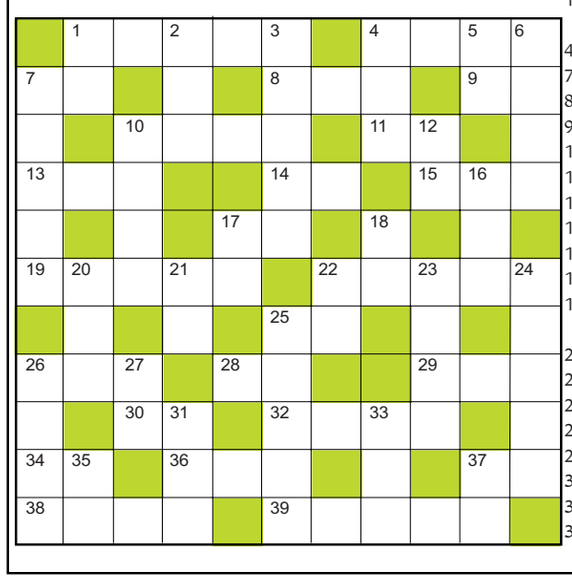

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -3934 का हल

आ	ला	क	मा	न			क	मी	ज	
रा	ल		न		श	प	थ		मा	मा
म			ध	नि	क		न			लि
दे	ह	दा	न			अ		ल	ल	क
ह		खि		बे	शु	मा	र		ह	
	सा	ल		ल		न		सु	र	
	हि		ब	गा	व	त		र		हा
ज	ल	न		म			अ	भि	मा	नि
ग			चु		रा	ज	न			का
त	र		ना	ह	क		ब		चा	र
	ब	हा	व			म	न	मो	ह	क

आलोचकों पर बरसे रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' के लॉन्च पर पहुंचे। यहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जो उनकी चुप्पी या उनके बोलने पर हमेशा सवाल उठाते रहते हैं। एक्टर ने कहा कि उनके बोलने और न बोलने दोनों पर ही लोगों को शिकायत रहती है।

75 साल के इस एक्टर ने अपने ऊपर होने वाली लगातार आलोचनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें हाल ही में यह समझ आया है कि आलोचना से बचा नहीं जा सकता। चेन्नई में हुए इस इवेंट में रजनीकांत ने कहा कि अब उन्हें भाषण देने के लिए बुलाए जाने पर हिचकिचाहट होती है, क्योंकि अक्सर उनकी बातों पर चर्चा होने लगती है। उन्होंने कहा कि जब कोई मुझसे बोलने के लिए कहता है, तो मैं हिचकिचाने लगता हूं। क्योंकि जब भी मैं बोलता हूं, तो कोई न कोई समस्या खड़ी हो जाती है, या तो मेरे लिए या आपके लिए। सुपरस्टार ने आगे यह भी कहा कि जब वे बोलते हैं, तो लोग अक्सर उनके बयानों पर सवाल उठाते हैं या तर्क देते हैं कि उन्हें किसी विशेष मुद्दे पर नहीं बोलना चाहिए था। अगर मैं बोलता हूं, तो कुछ लोग कहेंगे, 'उन्होंने अभी क्यों बोला?' जबकि अन्य कहेंगे कि उन्हें बोलना ही नहीं चाहिए था। कई साल बाद मुझे एक बात समझ आई है, जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे हमें तब भी पसंद नहीं करेंगे, चाहे हम कुछ भी कर लें। यह सोचना बेवकूफी है कि जो लोग हमें पसंद करते हैं, वे हमारे हर काम को पसंद करेंगे। इसलिए सावधान रहना जरूरी है। हर किसी से अपने कामों के लिए मंजूरी की उम्मीद करना सही नहीं है और लोगों को सावधान रहना सीखना चाहिए।

रजनीकांत की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

हाल ही में रजनीकांत को उनके राजनीतिक रुख या राजनीतिक नेताओं के साथ मुलाकातों के लिए काफी ट्रोल किया गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास डायरेक्टर नेल्सन की 'जेलर 2' भी है, जिसके कुछ महीनों में रिलीज होने की उम्मीद है। वहीं कमल हासन के साथ उनकी फिल्म, जिसे नेल्सन डायरेक्ट करेंगे, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।

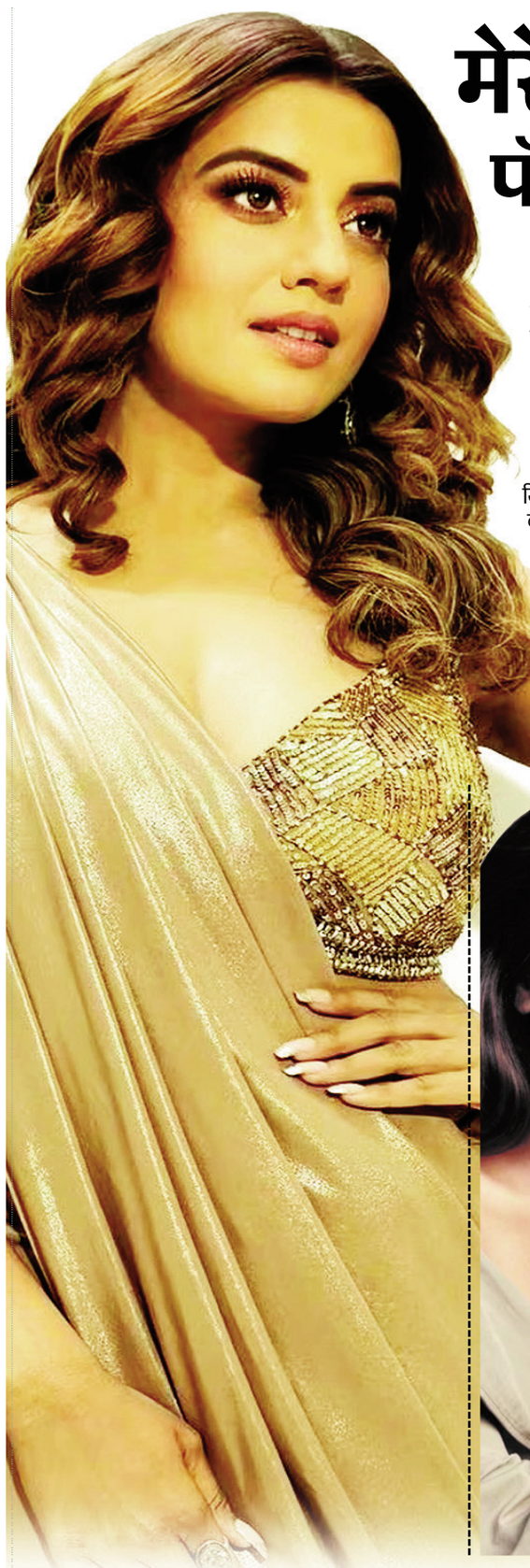

मेरे लिए करियर का टर्निंग पॉइंट है 'वेलकम टू द जंगल'

भोजपुरी स्टार और सिंगर अक्षरा सिंह इन दिनों काफी खुश हैं। हाल ही में वे बॉलीवुड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के गाने 'घिस घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ नजर आई हैं। इसके बाद अब उन्होंने गाने के बाद मिली पॉपुलैरिटी को लेकर और अक्षय कुमार के साथ काम करने पर बात की है। एक इंटरव्यू में अक्षरा सिंह ने कहा, 'मैं अहमद सर, गणेश आचार्य सर और अक्षय सर की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है और मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट है। मैं इसे हमेशा याद रखूंगी।'

अक्षरा ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें इस गाने के लिए फोन आया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें थोड़ा डर लगा था। अक्षरा ने कहा, 'मुझे अहमद सर के प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया और बताया गया कि 'वेलकम टू द जंगल' में एक गाना है, जो मुझे करना है। पहले मैं थोड़ा हिचकिचाई, लेकिन बाद में गणेश आचार्य सर का फोन आया और उन्होंने मुझे समझाया। जैसे ही मैंने उनका और अक्षय सर का नाम सुना, मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई।'

मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था

उन्होंने आगे कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी थी, लेकिन मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था। मैं इतनी घबराई हुई थी कि वॉशरूम तक जाना पड़ा। यह मेरे लिए एक फैनगर्ल मोमेंट था। कल तक मैं टीवी पर अक्षय सर की फिल्में देखती थी और ताली बजाती थी, और आज उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। मुझे लगा जैसे जिंदगी खुद अपनी कहानी लिख रही है।'

अली गोनी से शादी के लिए तैयार हैं जैस्मिन भसीन

टीवी सीरियल की दुनिया में अली गोनी और जैस्मिन भसीन चर्चित नाम हैं। दोनों काफी समय से रिलेशनशिप में भी हैं। शादी को लेकर भी यह कपल सीरियस है। हाल ही में अली गोनी ने एक इंटरव्यू में जिक्र किया कि वह शादी को लेकर प्लान बना रहे हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई हालिया बातचीत में अली गोनी ने कहा, 'मेरी मम्मी बोल रही हैं कि शादी कर लो। जैस्मिन भी तैयार है, मैं भी बिल्कुल तैयार हूं।' आगे वह थोड़ा शरमाते हैं और कहते हैं, 'हो सकता है कि जल्द ही आपको कोई खबर मिले। प्लान हो सकता है।' अली गोनी ने साल 2020 में डेट करना शुरू किया था लेकिन शुरुआत में अपना रिश्ता छिपाकर रखा। फिर अचानक अली गोनी जैस्मिन से मिलने के लिए 'बिग बॉस 14' रियलिटी शो में पहुंचे। इस दौरान ही फैंस को इनके रिश्ते के बारे में पता चला। आगे चलकर दोनों ने अपना रिलेशनशिप पब्लिक के सामने स्वीकार भी किया। अली गोनी जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। एक्टिंग के अलावा वह बिजनेस भी करते हैं। पिछले दिनों 'लाफ्टर शेफ 3' में भी नजर आए। इस शो में वह अपने मस्ती भरे अंदाज और कुकिंग स्किल्स की वजह से पॉपुलर हुए।

रीशूट होगी सिद्धार्थ तमन्ना स्टारर 'वन'

इंडियन सिनेमा में पिछले कुछ वर्षों में हॉरर फिल्मों की भाषा तेजी से बदली है। अब केवल डराने वाले सीन नहीं, बल्कि माहौल, लोककथाएं और मनोवैज्ञानिक तनाव भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसी बदलते दौर में 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपने एक्स्ट्रा शूट शेड्यूल को लेकर चर्चा में है। फिल्म की टीम ने करीब 10 दिनों की नई शूटिंग का फैसला किया है। यह निर्णय किसी तकनीकी कमी या कहानी में बड़े बदलाव की वजह से नहीं लिया गया, बल्कि इसलिए कि फिल्म के हॉरर, सस्पेंस और खासकर अंतिम हिस्से को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि टीम मौजूदा फुटेज से संतुष्ट है, लेकिन उन्हें लगा कि क्लाइमैक्स में कुछ ऐसे अवसर मौजूद हैं जिनसे तनाव और सिनेमाई असर को अगले स्तर तक ले जाया जा सकता है। घने जंगल और लोककथा के जरिए कहानी में पैदा होगा डर निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा और अरुनाभकुमार इस फिल्म को पारंपरिक हॉरर से अलग रूप देना चाहते हैं। फिल्म भारतीय लोककथाओं, जंगलों और रहस्यमयी मान्यताओं से प्रेरित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहानी में बिहार के दरभंगा क्षेत्र और छठ पर्व की सांस्कृतिक झलक भी शामिल की गई है।

फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा

सूत्रों के अनुसार फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा। कई हिस्सों की शूटिंग वास्तविक लोकेशनों पर और सीमित कृत्रिम रोशनी के बीच की गई है ताकि सीन्स ज्यादा वास्तविक और रहस्यमयी महसूस हों। मेकर्स का फोकस ऐसे अनुभव पर है जहां हर आवाज और हर छाया कहानी का हिस्सा लगे।

फाइनल कट के बाद टीम को लगा कुछ कमी रह गई है

बताया जा रहा है कि फाइनल कट देखने के बाद टीम को लगा कि अंतिम हिस्से में तनाव और भावनात्मक असर को और बढ़ाया जा सकता है। इसी वजह से कुछ हॉरर सीक्वेंस और क्लाइमैक्स वाले विजुअल्स पर दोबारा काम किया जा रहा है। यह प्रक्रिया बड़े स्केल की फिल्मों में अक्सर अपनाई जाती है ताकि दर्शकों को ज्यादा इमर्सिव अनुभव मिल सके।

वीएफएक्स के साथ बनेगा नया सिनेमैटिक यूनिवर्स

फिल्म में वीएफएक्स और प्रैक्टिकल इफेक्ट्स दोनों का मेल रखा गया है ताकि स्क्रीन पर कृत्रिमता कम लगे। रिलीज से पहले 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी लाई गई है।

हम पूरी श्रद्धा के साथ 'रामायण' बना रहे हैं

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म से रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद से फैंस इस फिल्म की हर अपडेट को लेकर और भी उत्सुक हैं। फिल्म की कास्टिंग से लेकर इसके बड़े पैमाने और वीएफएक्स तक कई वजहों से इसकी चर्चा हो रही है। अब फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे ने दर्शकों के लिए एक मैसेज में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदों पर बात की है।

हम पूरी तरह से इसके साथ न्याय करने की कोशिश कर रहे हैं

हालिया बातचीत में रवि दुबे ने फिल्म और इसे बनाने के तरीके के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत और रामायण एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। वे एक ही हैं। जहां तक तैयारी की बात है, हम उस पर बाद में चर्चा करेंगे। यह हमारा इतिहास और हमारी धरोहर है और हम इस पर जितना ज्यादा काम कर सकते हैं, अपनी क्षमता के अनुसार इसके साथ न्याय करने की उतनी ही कोशिश करेंगे। यह एक शानदार अनुभव रहा है। फिल्म से दर्शकों को क्या उम्मीद करनी चाहिए, इस बारे में बात करते हुए रवि दुबे ने कहा कि हम यह फिल्म पूरी श्रद्धा के साथ बना रहे हैं। आप भी श्रद्धा के साथ इंतजार करें।

फिल्म से सामने आ चुका है रणबीर का लुक

इस साल की शुरुआत में 'रामायण' का पहला लुक यानी टीजर जारी किया गया था। इसमें रणबीर को भगवान राम के रूप में दिखाया गया था, साथ ही उन असुरों की झलक भी थी जिनसे वे लड़ते हैं, रावण की झलक और युद्ध के भी कई सीन दिखाए गए थे। इस टीजर को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। जहां कई लोगों ने राम के किरदार में रणबीर की तारीफ की थी। हालांकि, वहीं इतनी बड़ी फिल्म के वीएफएक्स की आलोचना भी हुई। तब से कई लोग इस उम्मीद में अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं कि वीएफएक्स को बेहतर कर लिया गया होगा। मेकर्स ने भी वीएफएक्स पर काम करने की बात कही थी।

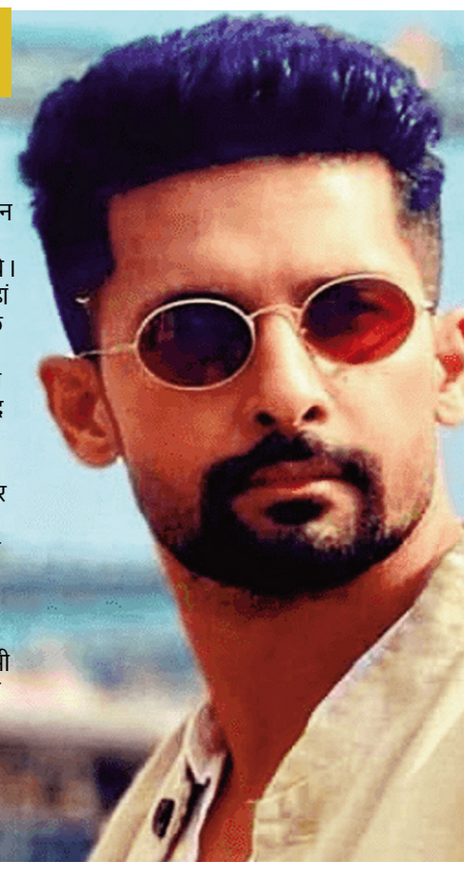

इम्तियाज अली नहीं बनाना चाहते अपनी फिल्मों का सीक्वल

इम्तियाज अली हिंदी सिनेमा के उन फिल्मकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने प्रेम कहानियों और रिश्तों को एक अलग नजरिए से पर्दे पर पेश किया। 'जब वी मेट', 'लव आजकल' और 'रॉकस्टार' जैसी उनकी फिल्में कल्ट क्लासिक में गिनी जाती हैं और दर्शक भी आए दिन इन फिल्मों के सीक्वल की मांग करते हैं। मगर इम्तियाज अली सीक्वल बनाने में यकीन नहीं रखते। इम्तियाज अली इस वक्त अपनी हालिया रिलीज 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है, खूब कमा रही है और तारीफें बटोर रही है। जब इम्तियाज अली से पूछा कि क्या वह अपनी किसी फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर कोई ऐसी कहानी है जो नेचुरली आए और लगे कि यह सीक्वल हो सकता है, तब तो ठीक है। वरना सिर्फ मार्केटिंग के लिए सीक्वल बनाने में मैं यकीन नहीं करता हूं। मुझे मालूम है कि अगर 'जब वी मेट' या 'रॉकस्टार' का सीक्वल बनेगा तो कम से कम लोगों में जिज्ञासा आएगी और बॉक्स ऑफिस पर एक ओपनिंग लग जाएगी। तब क्या होगा कि फिल्म कैसी भी हो, पैसे तो बन ही जाएंगे। मगर मेरी यह सोच नहीं है और न मुझे यह पसंद है। वैसे मैं सीक्वल्स के पक्ष में नहीं रहता क्योंकि बतौर फिल्ममेकर आपको मजा भी तब आता है, जब आप एक नए रास्ते पर निकलते हो।'

हर फिल्म पिछली से जुदा क्यों?

इम्तियाज की ज्यादातर फिल्में अपनी पिछली फिल्म से बिल्कुल जुदा होती हैं। इस बारे में वह कहते हैं, 'मुझे पहले वाला काम पसंद नहीं आता। जो काम मैं कर चुका हूं, दोबारा करने में उतना मजा नहीं आता है और मुझे ऐसा लगता है कि हम अलग-अलग तरह की फिल्में बनाकर बहुत कुछ सीख रहे हैं। तो एक तरह के अनुभव से आपने कुछ सीखा, दूसरे से आप कुछ और सीखोगे।'

युवा चाहते हैं उम्र भर चलने वाली मोहब्बत

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' विभाजन के समय शुरू हुई प्रेम कहानी पर आधारित है। मगर इस तरह की कहानियों पर फिल्में दशकों से बन रही हैं। तो फिर क्यों इम्तियाज ने यह विषय चुना?

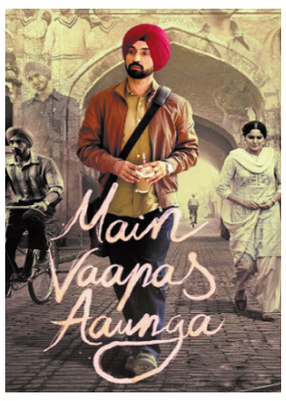

वह कहते हैं, 'इस फिल्म को बनाने की सोच तो विभाजन और उसकी जो लव स्टोरीज हैं, उनसे शुरू हुआ। इसको देखकर जो आज के लोग हैं, वो बहुत हैरान होते हैं। वो यह सोचकर हैरान हैं कि हमारे दादाजी 78 सालों बाद भी किसी को याद कर रहे हैं। वो कहते हैं कि ऐसा हमारी जिंदगी में क्यों नहीं मुमकिन हो सकता। हमें भी इस तरह की मोहब्बत चाहिए जो उम्र भर चले।' इस फिल्म में लीड किरदार दिलजीत ने निभाया है जो उनकी पिछली फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के भी हीरो थे। इस पर इम्तियाज कहते हैं, 'पहली बार ऐसा हुआ है कि एक ही एक्टर दो फिल्मों में लगातार एक के बाद एक कास्ट हुआ हो। और यह संजोग है कि दोनों फिल्मों के लिए दिलजीत ही फिट थे। जब हम 'चमकीला' कर रहे थे तो इस फिल्म में भी वही एक्टिंग करेंगे, इस बात का कोई पता नहीं था। यह कैरेक्टर भी उस वक्त तक पूरी तरह से बना नहीं था।

प्रेम की परिभाषा बहुत बदली है

'जब वी मेट' को करीब-करीब दो दशक का समय हो चुका है। इतने समय में प्यार को लेकर विचारों में क्या बदलाव आया है? यह पूछने पर इम्तियाज़ कहते हैं, 'परिभाषा हमेशा बदलती रहती है। पहले लगता है कि यही एक परिभाषा है। इतनी सारी फिल्मों के बाद हर चीज़ की समझ, पहचान और परिभाषा बदली है। जिसको हम प्यार कहते हैं या प्रेम का रिश्ता कहते हैं, उसकी परिभाषा बहुत ज्यादा बदली है। जो भी बदलाव आया है, वह मेरे ख्याल से मेरी फिल्मों में ही झलकेगा।'

ओटीटी चैलेंज नहीं सुविधा है

जब उनसे पूछा गया कि क्या ओटीटी के दौर में आप कोई चैलेंज महसूस करते हैं? तो वह बोले, 'ओटीटी आज के दौर में चैलेंज नहीं है। असल में यह एक सुविधा है हमारे पास कि हम इस तरह की भी कहानियां बना सकते हैं। जैसे 'चमकीला' ओटीटी के लिए थी। एक और शो भी हम बना रहे हैं, सीरीज भी बना रहे हैं। तो वह सब ओटीटी में आएंगी। इसको मैं चैलेंज नहीं समझता, बल्कि यह एक अच्छी चीज है कि हमारे पास दूसरा भी साधन मौजूद है। अगर चाहें तो हम उसमें भी काम कर सकते हैं। एक और अच्छी चीज इसमें यह होगी कि हमें समझ में आ जाएगा कि ओटीटी के शो बनाने के लिए कौन सी कहानी फिट है और बड़े पर्दे के लिए कौन सी कहानी बेहतर है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।